www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

सूर्योदय सुबह 6:03 बजे
सूर्यास्त शाम 6:36 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

साल-2 • अंक-4 • पृष्ठ-9 • मूल्य-5 रूपये • शनिवार 12, सितंबर 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर • एग्जीक्यूटिव एडिटर : नितिन उपमन्यु

न्यूज ब्रीफ

अब सिम की तरह पोर्ट होगा फास्टैग

नई दिल्ली | अब फास्टैग यूजर्स बिना नया स्टिकर बदले अपना बैंक बदल सकेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में 'वनटैग' सेवा लॉन्च की। इसके तहत फास्टैग को मोबाइल सिम की तरह दूसरे बैंक में पोर्ट किया जा सकेगा। फिलहाल बैंक बदलने पर पुराना टैग बंद कर नया फिजिकल टैग लेना पड़ता था। वनटैग से यह प्रक्रिया डिजिटल होगी और वाहन की विंडशील्ड पर लगा टैग वही रहेगा। देश में करीब 6 करोड़ सक्रिय फास्टैग यूजर्स हैं। नई सुविधा से बैंक बदलने की प्रक्रिया आसान और तेज होने की उम्मीद है। टोल प्लाजा पर टैक्स कटने का तरीका बिल्कुल पहले जैसा ही रहेगा।

कनाडा में हादसे में पंजाबी युवक जला

जालंधर| कनाडा के ओटावा में सड़क हादसे के बाद कार में लगी आग में पंजाब के होशियारपुर निवासी ब्रह्मजोत सिंह की मौत हो गई। हादसा बुधवार देर रात फैलोफील्ड रोड और ओल्ड रिचमंड रोड पर हुआ। ब्रह्मजोत की होंडा सीआरवी की दूसरी कार से जोरदार टक्कर हुई, जिसके बाद दोनों वाहन करीब 25 फीट दूर जा गिरे और आग लग गई। हादसे में ब्रह्मजोत गंभीर रूप से घायल हो गए और कार से बाहर नहीं निकल सके। दूसरी कार के चालक को बचाकर गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। ब्रह्मजोत टांडा के रहने वाले थे और करीब दो साल पहले कनाडा गए थे। पुलिस ने गुरुवार को उनकी पहचान की पुष्टि करते हुए हादसे की जानकारी दी।

जमीन कब्जाने पर 21 बॉडी बिल्डरों पर जुर्माना

चंडीगढ़| पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सरकारी जमीन पर करीब 40 साल से अवैध कब्जा बनाए रखने के मामले में 21 बस और ट्रक बॉडी बिल्डरों पर कुल दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने फतेहगढ़ साहिब के उपायुक्त को एक सप्ताह के भीतर कब्जा हटाने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही 15 जनवरी को बेदखली के आदेश को बरकरार रख चुका था। इसके बावजूद याचिकाकर्ता सरकारी जमीन पर कब्जा बनाए रहे और बाजार भाव पर दूसरी जमीन आवंटित करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे। अदालत ने दो लाख रुपये की लागत जमा कराने का निर्देश दिया।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 8699221114 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

If you want to publish your advertisement on our newspaper

समर एक्सप्रेस

CONTACT:
+91 6283 860 059

भारत की मेजबानी में 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन कल से, व्यापार, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा पर होगी चर्चा

ब्रिक्स में पुतिन का जी-7 पर तंज, मोदी बोले- वैश्विक अर्थव्यवस्था में 40 फीसदी हिस्सेदारी

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले शुक्रवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स बिजनेस फोरम में आर्थिक ताकत और वैश्विक व्यवस्था को लेकर अहम संदेश सामने आए। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नए केंद्र तेजी से उभर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि जी-7 की हिस्सेदारी करीब 29 प्रतिशत रही। वैश्विक आर्थिक वृद्धि में भी ब्रिक्स की हिस्सेदारी आधे से अधिक रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की करीब आधी आबादी रहती है। ये देश वैश्विक जीडीपी में लगभग 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार में 25 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखते हैं।

उन्होंने कहा कि 2006 में चार देशों से शुरू हुआ यह समूह अब 11 सदस्य देशों तक पहुंच चुका है और साझेदार देशों को मिलाकर इसका दायरा और व्यापक हो गया है।

कारोबार और तकनीक पर जोर: ब्रिक्स बिजनेस फोरम में पुतिन ने कहा कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में नए विकास केंद्रों की भूमिका बढ़ रही है। उन्होंने ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल के जरिए बुनियादी ढांचे, परिवहन, वित्त और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी सदस्य देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं में कारोबार बढ़ाने की जरूरत बताई।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने अफ्रीकी देशों में निवेश बढ़ाने की मांग रखी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी आर्थिक अस्थिरता के दौर में मजबूत आपूर्ति श्रृंखला, सीमा पार भुगतान व्यवस्था, राष्ट्रीय मुद्राओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की जरूरत बताई।

ब्रिक्स में स्टार्टअप सहयोग, नवाचार और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने की योजनाओं पर भी चर्चा हो रही है।

पुतिन और मोदी में 45 मिनट तक बातचीत

प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के बीच शुक्रवार को करीब 45 मिनट बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के साथ पश्चिम एशिया और यूक्रेन समेत वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। मोदी ने संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को भारत का प्रमुख रुख बताया। पुतिन ने भारत-रूस सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

पजशकियान बोले- अपनी करेंसी में कारोबार बढ़ाएं

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि ब्रिक्स देशों को आपसी कारोबार में अपनी-अपनी करेंसी का इस्तेमाल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था कुछ गिनी-चुनी करेंसी पर ज्यादा निर्भर है, इसलिए यह राजनीतिक संकट से प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बहुत मुश्किल दौर से गुजर रही है। सप्लाई में दिक्कतें आ रही हैं। इससे कारोबार का माहौल मुश्किल हो गया है।

एसजीपीसी के जत्थों के जरिए ही जा पाएंगे

पाकिस्तान जाने वाली धार्मिक यात्राओं के नियमों में बदलाव

समर न्यूज | अमृतसर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आए पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क और हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा मामले के बाद भारत-पाकिस्तान धार्मिक यात्राओं को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। अब पाकिस्तान जाने वाले निजी प्रायोजित धार्मिक टूर पर रोक लगा दी गई है। सिख श्रद्धालुओं के लिए यात्रा एसजीपीसी और हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एचएसजीएमसी) जैसे अधिकृत धार्मिक संगठनों के जत्थों के माध्यम से कराने पर जोर दिया जा रहा है।

सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि धार्मिक यात्राओं की आड़ में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और वहां के निजी टूर ऑपरेटर भारतीय नागरिकों से संपर्क कर सकते हैं। एचएसजीएमसी के पर्यटन प्रभारी हरकीरत सिंह के मुताबिक, ज्योति मल्होत्रा जैसे मामले सामने आने के बाद प्रायोजित टूर बंद किए गए हैं। बताया गया है कि मल्होत्रा भी प्रायोजित यात्रा के जरिए पाकिस्तान गई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच धार्मिक यात्राएं मुख्य रूप से 1974 के द्विपक्षीय धार्मिक स्थलों की यात्रा संबंधी प्रोटोकॉल के तहत होती हैं।

फैसलाबाद एयरपोर्ट पर 104 सिख श्रद्धालु रोके

पाकिस्तान से भारत में सिख गुरुधामों के दर्शन के लिए आ रहे 104 श्रद्धालुओं को फैसलाबाद एयरपोर्ट पर करीब 12 घंटे से रोके जाने की जानकारी सामने आई है। श्रद्धालुओं के मुताबिक, उनके पास वैध भारतीय वीजा हैं, लेकिन पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी ने उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी। एनओसी की मांगः इमीग्रेशन अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से पाकिस्तान सरकार, गृह विभाग और विदेश विभाग की एनओसी मांगी। श्रद्धालुओं का कहना है कि वाघा सीमा से भारत जाने की अनुमति नहीं मिलने के बाद उन्होंने हवाई यात्रा का विकल्प चुना था। इसके लिए उन्होंने महंगी टिकटें खरीदीं और समय पर एयरपोर्ट पहुंचे। श्रद्धालुओं ने कहा कि यदि एनओसी जरूरी थी तो इसकी जानकारी पहले दी जानी चाहिए थी।

प्रकाश पर्व के लिए सजा श्री हरिमंदिर साहिब

अमृतसर| श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश पर्व शनिवार को श्री हरमंदिर साहिब में श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। पर्व को लेकर स्वर्ण मंदिर को विदेशों से मंगाए गए फूलों से सजाया गया है। थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया से फूल मंगवाए गए हैं।

60 टन फूलों से सजावट: सजावट के काम में करीब 100 कारीगर दिन-रात जुटे हैं। परिसर को सजाने के लिए 60 टन से अधिक फूलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन्हें 10 ट्रकों के जरिए अमृतसर पहुंचाया गया है। गुरु अर्जुन देव जी ने 1604 में दरबार साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब का पहला प्रकाश किया था। तब से प्रकाश पर्व हर साल श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

भारतीय-सिख समुदाय ने नस्ली छवि पेश करने का लगाया आरोप

अमेरिका में विवाद बढ़ा तो 'मिस्टर सिंह' वाली विवादित पोस्ट हटाई

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने सिख व्यक्ति को निशाना बनाती दिख रही विवादित सोशल मीडिया पोस्ट को हटा दिया है। पोस्ट में 'मिस्टर सिंह' को अमेरिका की सड़कों से हटने और खुद देश छोड़ने की सलाह दी गई थी। इसमें 'ट्रांसफॉर्मर्स' के पात्र ऑप्टिमस प्राइम की कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था।

पोस्ट पर भारतीय-अमेरिकी और सिख संगठनों ने नस्ली भेदभाव और समुदाय विशेष को बदनाम करने का आरोप लगाया। डीएचएस की पोस्ट में दाढ़ी और सिर ढके एक व्यक्ति को दिखाते हुए संदेश दिया गया था कि वह सड़कों से हट जाए क्योंकि वह गाड़ी चलाना नहीं जानता। साथ ही 'खुद निर्वासित हों या परिणाम भुगतें' जैसा संदेश भी था।

यह पोस्ट ट्रंप प्रशासन की अवैध आव्रजन और बिना वैध अनुमति वाले वाणिज्यिक चालकों के खिलाफ अभियान का हिस्सा थी। विभाग 'सीबीपी होम' कार्यक्रम के जरिये पात्र अवैध प्रवासियों को स्वेच्छा से अमेरिका छोड़ने के लिए यात्रा सहायता और 2,600 डॉलर तक की राशि देने की बात कह रहा है।

▪ हरजिंदर सिंह का दिया संदर्भ: *विवाद के बाद डीएचएस ने कहा कि पोस्ट में किसी पूरे सिख समुदाय को निशाना नहीं बनाया गया था, बल्कि भारतीय नागरिक हरजिंदर सिंह का संदर्भ था। हरजिंदर पर फ्लोरिडा में ट्रक हादसे में तीन लोगों की मौत से जुड़े वाहन हत्या और गैर इरादतन हत्या के आरोप हैं। उन्होंने आरोपों से इनकार किया है। विभाग ने आलोचना को 'निरर्थक बयानबाजी' करार दिया।*

▪ संगठनों ने जताई आपत्ति: *सिख और हिंदू-अमेरिकी संगठनों ने कहा कि 'सिंह' लाखों लोगों का उपनाम है और किसी एक मामले को पूरे समुदाय से जोड़ना अनुचित है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजम समेत कई नेताओं ने भी पोस्ट की आलोचना की। सिख संगठनों ने 11 सितंबर के हमलों की बरसी के आसपास ऐसी पोस्ट किए जाने पर विशेष चिंता जताई।*

▪ एसजीपीसी ने भी जताई कड़ी नाराजगी: *शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने भी कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने इस संबंध में दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराई है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से भी इस मामले को कूटनीतिक स्तर पर अमेरिकी सरकार के समक्ष उठाने की अपील की है।*

केदारनाथ पैदल मार्ग पर बादल फटा, रास्ता बंद

एजेंसी | रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ पैदल मार्ग पर मौसम खराब होने के बीच बादल फटने की घटना और भूस्खलन से यात्रा मार्ग बाधित हो गया। पहाड़ी से मलबा, पत्थर और बोल्डर आने के कारण पैदल रास्ते पर आवाजाही रोक दी गई है। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रभावित हिस्से में आवाजाही नियंत्रित की है।

हाल के दिनों में भी केदारनाथ मार्ग पर भूस्खलन के कारण यात्रा रोकनी पड़ी थी। प्रशासन और बचाव दल मार्ग को सुरक्षित बनाने तथा मलबा हटाने में जुटे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण नए भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। ऐसे में यात्रियों को जोखिम वाले हिस्सों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

बहबल कलां गोलीकांड : सुखबीर नहीं हुए पेश और पेशी से मांगी छूट

समर न्यूज | चंडीगढ़

2015 के बहबल कलां गोलीकांड की जांच कर रही विशेष जांच टीम के समक्ष शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल शुक्रवार को पेश नहीं हुए। उन्हें पंजाब पुलिस ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। बादल ने लिखित जवाब में चिकित्सकीय कारणों का हवाला देते हुए पेशी से छूट मांगी है।

उन्होंने 30 सितंबर तक का समय देने का अनुरोध किया है। उनके प्रतिनिधि परमबंस सिंह रोमाना और अधिवक्ता अरशदीप सिंह कलेर करीब 11 बजे जांच टीम के अधिकारियों से मिले। रोमाना ने कहा कि बादल जांच में सहयोग करना चाहते हैं, लेकिन टीम से लिखित प्रश्नावली भी मांगी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले की जांच को पिछले 10 वर्षों से राजनीतिक रूप दिया जाता रहा है। आम आदमी पार्टी के नेता रणबीर सिंह ढिल्लों ने आरोप लगाया कि बादल जानबूझकर एसआईटी के सामने पेश होने से बच रहे हैं। 2015 में बेअदबी की घटनाओं के विरोध में फरीदकोट में प्रदर्शन हुए थे।

बहबल कलां में पुलिस गोलीबारी में गुरजीत सिंह और कृष्ण भगवान सिंह की मौत हुई थी, जबकि कोटकपूरा में कई लोग घायल हुए थे। उस समय प्रकाश सिंह बादल मुख्यमंत्री और सुखबीर सिंह बादल उपमुख्यमंत्री के साथ गृह विभाग संभाल रहे थे। एसआईटी ने 2024 में जांच तेज की थी।

पेज 1 एंकर स्टोरी

42 साल बाद राहत, हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार की देरी और भेदभाव पर जताई नाराजगी

ऑपरेशन ब्लू स्टार पीड़ितों को 1,000 रुपये प्रति गज की दर से मिलेगी जगह

समर न्यूज | चंडीगढ़

ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान अमृतसर में दुकानें गंवाने वाले 133 प्रभावित लोगों को 42 साल बाद बड़ी राहत मिली है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को इन पीड़ितों को 1,000 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से वैकल्पिक बूथ या जगह आवंटित करने का निर्देश दिया है।

अदालत ने कहा कि प्रभावित लोगों के साथ गलीआरा योजना के लाभार्थियों की तुलना में अलग व्यवहार करने का कोई उचित आधार नहीं है। न्यायमूर्ति जसगुरप्रीत सिंह पुरी और न्यायमूर्ति प्रवीणदर सिंह चौहान की खंडपीठ ने कहा कि विस्थापित लोगों को उनके कारोबार से हटे चार दशक से अधिक समय बीत चुका है। अदालत ने माना कि इतनी लंबी देरी से उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हुए हैं। पीठ ने सरकार की कार्रवाई को प्रथम दृष्टया अनुचित, भेदभावपूर्ण और मनमाना बताया। मामला 2017 में सुप्रीम कोर्ट से हाईकोर्ट को वापस भेजा गया था, ताकि वैकल्पिक जगह आवंटित करने की उचित दर तय की जा सके।

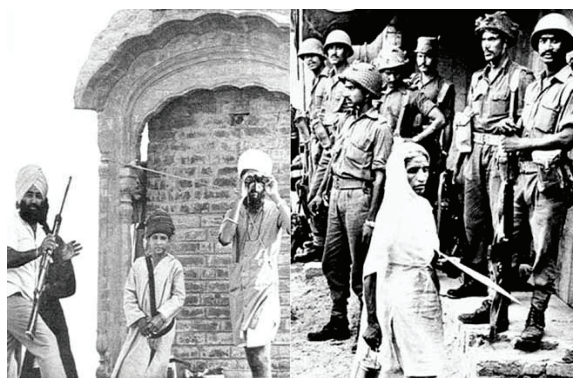

पुरानी नीति लागू करने का आदेश

अदालत ने कहा कि 1988 की गलीआरा योजना के तहत विस्थापित दुकानदारों को 1,000 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से जगह दी गई थी और उन्हें अन्य सुविधाएं भी मिली थीं। 1991 और 2006 में पंजाब सरकार की बैठकों में ऑपरेशन ब्लू स्टार से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए भी इसी नीति को अपनाने का निर्णय हुआ था। इसके बावजूद 2012 में सरकार ने 133 बूथों के लिए तत्कालीन कलेक्टर दर 38,400 रुपये प्रति वर्ग गज तय कर दी थी। हाईकोर्ट ने अब सभी संबंधित लाभ गलीआरा योजना के अनुरूप देने का आदेश दिया है। पीठ ने कहा कि राज्य का दायित्व था कि विस्थापित लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया समय पर पूरी की जाती। अदालत ने न्याय के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि इतने लंबे समय तक मुकदमे को खिंचते रहना उचित नहीं है।

हाईकोर्ट के आदेश में पांच अन्य प्रभावितों को भी राहत

राहत केवल पहले से सूचीबद्ध 133 लोगों तक सीमित नहीं रहेगी। अदालत ने उन पांच पात्र प्रभावितों को भी वैकल्पिक जगह देने का निर्देश दिया है, जिन्हें पहले निर्धारित स्थल पर जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण शामिल नहीं किया गया था। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन 18 लोगों ने पहले ही 38,400 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से पूरी राशि जमा कर दी है, उनके मामलों को नहीं बदला जाएगा। वहीं, जिन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के तहत 10,000 रुपये प्रति वर्ग गज जमा किए थे, उनकी रकम नई लागत में समायोजित होगी और अतिरिक्त राशि होने पर वापस की जाएगी। आवंटन, कब्जा और अन्य औपचारिकताएं दो महीने में पूरी करने का निर्देश दिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया में छात्र वीजा ठुकराने की दर में बढ़ोतरी

एजेंसी | मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया में छात्र वीजा आवेदनों को खारिज करने की दर एक दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। जून 2026 में कुल छात्र वीजा आवेदनों में 24.2 प्रतिशत को अस्वीकार किया गया। भारतीय और नेपाली छात्रों के लिए स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण बताई जा रही है।

2025-26 में नेपाल से आए 51 प्रतिशत से अधिक आवेदन खारिज हुए, जबकि भारत के 40 प्रतिशत से अधिक आवेदनों को मंजूरी नहीं मिली। चीन के आवेदकों की अस्वीकृति दर इस अवधि में 5.8 प्रतिशत रही। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों की ओर से आवेदनों की जांच कड़ी किए जाने के बीच यह बदलाव आया है। छात्रों को अब अपने चुने हुए पाठ्यक्रम, पिछली पढ़ाई, काम के अनुभव और भविष्य की करियर योजना के बीच स्पष्ट संबंध बताना जरूरी है।

सिरसा नदी प्रदूषण मामले में एनजीटी ने दिखाई सख्ती

हिमाचल-हरियाणा को नोटिस, रोपड़ में सतलुज पर असर की जांच होगी, अगली सुनवाई 2 दिसंबर को

समर न्यूज। रोपड़

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने हिमाचल प्रदेश की सिरसा नदी में कथित प्रदूषण और उसके पंजाब के रोपड़ क्षेत्र में सतलुज पर पड़ रहे असर का संज्ञान लिया है। अधिकरण ने मामले को पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन से जुड़ा गंभीर मुद्दा मानते हुए हिमाचल प्रदेश और हरियाणा समेत संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है।

मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। यह कार्रवाई रोपड़ से आम आदमी पार्टी के विधायक दिनेश चड्ढा की ओर से दायर आवेदन पर हुई है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने 9 सितंबर को मामले की सुनवाई की। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि हिमाचल के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाला अनुपचारित या आंशिक रूप से उपचारित औद्योगिक अपशिष्ट नालों और जलधाराओं के जरिये सिरसा नदी में पहुंच रहा है। आगे यह नदी सतलुज में मिलती है, जिससे रोपड़ क्षेत्र में पानी की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक के नमूना परीक्षण में घनौली के पास सिरसा नदी की स्थिति चिंताजनक पाई गई।

मार्च 2026 में कुल कोलीफॉर्म 60,000 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर और फीकल कोलीफॉर्म 17,000 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर तक पहुंच गया। निर्धारित मानक की तुलना में फीकल कोलीफॉर्म का स्तर करीब 34 गुना अधिक था। दिसंबर 2025 में जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग भी 15 मिलीग्राम प्रति लीटर तक पहुंची थी।

▪ **उद्योग और सीवेज पर उठे सवाल** – विधायक ने दावा किया है कि बद्दी क्षेत्र में करीब 2,200 उद्योग हैं, जिनमें लगभग 1,000 इकाइयां तरल अपशिष्ट पैदा करती हैं, जबकि करीब 377 इकाइयों का अपशिष्ट साझा अपशिष्ट उपचार संयंत्र तक पहुंचता है। उन्होंने घरेलू सीवेज के अपर्याप्त उपचार का मुद्दा भी उठाया है। हालांकि, इन दावों की जिम्मेदारी और वास्तविक स्रोत की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

एफआईआर के बाद एनजीटी तक मामला

इससे पहले रोपड़ में सतलुज के हेडवर्क्स के पास औद्योगिक कचरा और अन्य संदिग्ध सामग्री जमा होने के बाद अज्ञात औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। प्रदूषण नियंत्रण अधिकारियों ने नमूने लिए और स्रोत का पता लगाने के लिए हिमाचल प्रदेश के संबंधित क्षेत्रों तक जांच का मुद्दा उठाया था। एनजीटी ने संबंधित पक्षों को अगली सुनवाई से कम से कम एक सप्ताह पहले सेवा-शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब निगाह इस बात पर है कि जांच में प्रदूषण के वास्तविक स्रोत, उपचार व्यवस्था और सतलुज तक पहुंच रहे प्रदूषण की जिम्मेदारी किसकी तय होती है।

फरीदकोट में 12 किलो हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

▪ **तरनतारन से बाइक पर सप्लाई देने आए थे, नाके पर पुलिस ने दबोचा**

समर न्यूज। फरीदकोट

फरीदकोट पुलिस के सीआईए स्टाफ ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 12 किलो 221 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पुलिस ने दोनों के खिलाफ सदर थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरनतारन जिले के गांव करमूंवाला निवासी सुदागर सिंह उर्फ घुल्ला और कवलजीत खान उर्फ कम्मू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों बाइक से हेरोइन की खेप लेकर फरीदकोट में सप्लाई देने पहुंचे थे। सीआईए प्रभारी उपनिरीक्षक हाकम सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार रात अमृतसर-बठिंडा राष्ट्रीय राजमार्ग-54 पर गांव चंदबाजा के पास नाकाबंदी की थी। इसी दौरान तलवंडी भाई की ओर से बाइक पर आ रहे दोनों युवकों ने पुलिस को देखकर वापस भागने की कोशिश की। पुलिस ने दोनों को मौके पर पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान कवलजीत के कंधे पर लटके किट बैग से छह पैकेट बरामद हुए। पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी में जांच कराई, जिसमें सभी पैकेटों में हेरोइन मिली। बरामद नशीले पदार्थ का कुल वजन 12 किलो 221 ग्राम बताया गया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

जातीय समीकरण पर भिड़ी आप और भाजपा

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक टकराव जातीय समीकरणों तक पहुंचता दिख रहा है। आप ने भाजपा पर जातीय पहचान को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि पंजाब की राजनीति में विभिन्न समुदायों के बीच संतुलन और सामाजिक भाईचारा महत्वपूर्ण रहा है।

ऐसे में जातीय ध्रुवीकरण की कोशिश सामाजिक ताने-बाने के लिए उचित नहीं होगी। भाजपा पंजाब में अपनी पुरानी शहरी हिंदू मतदाता वाली छवि से आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है। पार्टी की गतिविधियां दलित, पिछड़े, किसान और युवा वर्गों तक भी बढ़ी हैं।

भोला ड्रग मामले में बर्खास्त पुलिसकर्मी को जमानत नहीं

चार साल छह महीने की हिरासत के बावजूद याचिका खारिज

समर न्यूज। चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने भोला ड्रग सिंडिकेट मामले में बर्खास्त पंजाब पुलिस उपनिरीक्षक सरबजीत सिंह को जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अनूप चितकारा और न्यायमूर्ति हरमीत सिंह देओल की खंडपीठ ने मुकदमे की सुनवाई को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि जब बरामद नशीले पदार्थ की मात्रा वाणिज्यिक मात्रा से 10 गुना से अधिक हो, तो सुनवाई में तेजी जरूरी है। राज्य के अनुसार सरबजीत सिंह पर जगदीश सिंह उर्फ भोला और अन्य आरोपियों से जुड़े संगठित मादक पदार्थ तस्करी गिरोह को मदद पहुंचाने का आरोप है। जांच में आरोप लगाया गया कि उसने पुलिस की वर्दी पहनकर नशीले पदार्थ ले जाने वाले वाहनों को नाकों और जांच चौकियों से बिना रोक-टोक निकलवाने में मदद की। मामले में उसे 9 फरवरी 2022 को गिरफ्तार किया गया था और बाद में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। अदालत ने माना कि आरोपी करीब चार साल छह महीने से हिरासत में है, लेकिन अपराध की गंभीरता, बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ और पुलिस पद के कथित दुरुपयोग को देखते हुए इस आधार पर फिलहाल जमानत नहीं दी जा सकती।

अदालत ने यह भी कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन देरी जमानत का अकेला आधार नहीं हो सकती। यदि जमानत पर मौजूद कोई सह-आरोपी सुनवाई में जानबूझकर देरी कराता है तो न्याय सुनिश्चित करने के लिए उसकी जमानत रद्द करने पर भी विचार किया जा सकता है।

पंजाब में पुलिस-गैंगस्टरों का गठजोड़ : रंधावा

समर न्यूज | चंडीगढ़

कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पंजाब पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों पर गैंगस्टरों से कथित सांठगांठ के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और संबंधित अधिकारियों के मोबाइल फोन तथा कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच की मांग की है।

रंधावा ने कहा कि इससे अधिकारियों के संपर्कों और बातचीत की वास्तविकता सामने आ सकती है। रंधावा ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात के बाद यह मुद्दा उठाया। उन्होंने सीमा क्षेत्र में तैनात और वहां से स्थानांतरित किए गए कुछ पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग भी की। उन्होंने डेरा बाबा नानक और बटाला से तबादला किए गए पुलिस उपाधीक्षकों को लेकर सवाल उठाए। रंधावा ने आरोप लगाया कि गैंगस्टरों का प्रभाव बढ़ रहा है और कुछ मामलों में जेल से नेटवर्क संचालित किया जा रहा है।

पंजाब में कोयले की कमी से बिजली संकट गहराया

▪ **तीन थर्मल यूनिट बंद, मांग बढ़ने से दिन-रात बिजली कटों ने बढ़ाई परेशानी**

समर न्यूज। चंडीगढ़

पंजाब में कोयले की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने से बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ है। राज्य के दो निजी और एक सरकारी थर्मल प्लांट की एक-एक यूनिट बंद होने से बिजली संकट गहरा गया है। बिजली की मांग और उपलब्ध उत्पादन के बीच अंतर बढ़ने के कारण कई इलाकों में दिन-रात कट लगाए जा रहे हैं।

तलवंडी साबो थर्मल प्लांट की तीन में से एक यूनिट पहले से बंद है। इसके बाद गुरुवार देर रात राजपुरा थर्मल प्लांट की भी एक यूनिट बंद हो गई। वहीं एक सरकारी थर्मल प्लांट की यूनिट में भी बिजली उत्पादन नहीं हो रहा है। इससे राज्य की कुल बिजली उपलब्धता पर असर पड़ा है। उत्पादन कम होने के बाद पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) केंद्रीय बिजली पूल से अतिरिक्त बिजली खरीद रहा है। इसके बावजूद मांग अधिक होने के कारण आपूर्ति बनाए रखने में मुश्किल आ रही है। कई क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को अघोषित कटों का सामना करना पड़ रहा है।

पर्याप्त नहीं कोयले की आपूर्ति: बिजली मंत्री ने कुछ दिन पहले ही चेतावनी दी थी कि थर्मल प्लांटों में कोयले का भंडार कम है और पर्याप्त आपूर्ति नहीं मिलने पर बिजली संकट पैदा हो सकता है। पीएसपीसीएल के अधिकारियों के अनुसार कोयले की आपूर्ति जारी है, लेकिन जरूरत के मुकाबले कम होने से थर्मल प्लांट पूरी क्षमता से उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं।

जालंधर में कांग्रेस वर्करों का हंगामा, डीसी दफ्तर का गेट फांदने की कोशिश

समर न्यूज। जालंधर

जालंधर में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को डीसी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान दफ्तर का मुख्य गेट बंद किए जाने और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात होने से माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शन कर रहे कुछ कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पार कर बंद गेट को फांदकर डीसी दफ्तर के भीतर जाने की कोशिश की।

पुलिसकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए कार्यकर्ताओं को गेट के पास ही रोक दिया। इससे कुछ समय के लिए प्रदर्शन स्थल पर हंगामे की स्थिति बनी रही। कांग्रेस कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे और प्रशासन के खिलाफ रोष जताया।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकते हुए स्थिति को नियंत्रण में रखा। पुलिस अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने की अपील की।

अमृतसर में डॉ. अंबेडकर के अपमान के विरोध में प्रदर्शन

समर न्यूज। अमृतसर

लुधियाना में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के अपमान के विरोध में शुक्रवार को अमृतसर के भंडारी पुल पर वाल्मीकि समाज के लोगों ने चक्काजाम किया। प्रदर्शनकारी करीब एक घंटे तक सड़क पर बैठे रहे और पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान सरकार का पुतला भी फूंका गया। प्रदर्शन के कारण आम यातायात प्रभावित रहा, जबकि आपातकालीन सेवाएं जारी रहीं।

चक्काजाम सुबह 11 बजे शुरू हुआ और करीब एक घंटे बाद प्रदर्शनकारियों ने भंडारी पुल खोल दिया। पहले इसे सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक बंद रखने का कार्यक्रम था। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे।

जाम से बचाने के लिए पुल से पहले बैरिकेडिंग की गई थी। इसे लेकर पुलिसकर्मियों में ही बहस हो गई। एक एएसआई ने कहा कि बैरिकेडिंग एडीसीपी के निर्देश पर लगाई गई है, जबकि पीसीआर कर्मी इसे हटाने की मांग करते नजर आए। इससे पहले संगठनों ने अमृतसर बंद का आह्वान वापस ले लिया था। व्यापारियों के नुकसान को देखते हुए पूर्ण बंद नहीं करने का फैसला लिया गया।

8 सितंबर की शाम को कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों ने लुधियाना में जालंधर बाईपास चौक पर स्थित डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का अपमान किया था और प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ की। जैसे ही इस घटना की खबर फैली दलित समाज के लोगों में गुस्सा फैल गया।

सीएम सैनी बोले- तस्करों पर कार्रवाई का असर जमीन पर भी दिखना चाहिए

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने पंजाब में नशे की समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरा

▪ **बोले- सिर्फ दावे नहीं, नतीजे भी सामने आने चाहिए, सरकार बनने पर कड़ी कार्रवाई का भरोसा**

समर न्यूज। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब सरकार के नशे के खिलाफ अभियान और इसके परिणामों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि केवल कार्रवाई के आंकड़े बताने से समस्या खत्म नहीं होगी। नशा तस्करी पर प्रभावी रोक के लिए तस्करों के पूरे नेटवर्क को तोड़ना और युवाओं को इस दलदल से बाहर निकालना जरूरी है। उनका यह बयान पंजाब में नशे को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज होने के बीच आया है।

सैनी ने पंजाब में भाजपा की सरकार बनने पर नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा भी दिया। उन्होंने संकेत दिया कि नशे के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई केवल छोटे स्तर के आरोपियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे तंत्र को निशाना बनाया जाएगा। उनका यह रुख भाजपा के उस व्यापक अभियान से जुड़ा है, जिसमें पंजाब में नशे को आगामी विधानसभा चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाया जा रहा है।

▪ **आंकड़ों पर आमने-सामने:** पंजाब सरकार लगातार नशा तस्करी के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई का दावा कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार गुप्त सूचनाओं के आधार पर हजारों मामले दर्ज किए गए हैं और बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां हुई हैं। सरकार का कहना है कि नशे की आपूर्ति रोकने के साथ पुनर्वास और जागरूकता पर भी काम किया जा रहा है। विपक्ष इन दावों के बावजूद पंजाब के गांवों में नशे की उपलब्धता और इससे प्रभावित परिवारों की स्थिति को मुद्दा बना रहा है। हाल की घटनाओं ने इस बहस को और तीखा किया है। संगरूर में एक व्यक्ति की मौत के बाद नशे के मुद्दे पर सरकार से जवाबदेही की मांग तेज हुई है।

▪ चुनावी मुद्दा बना नशा

सैनी के बयान से स्पष्ट है कि भाजपा पंजाब में नशे के सवाल को केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सरकार के कामकाज की कसौटी के रूप में पेश करने की तैयारी में है। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले नशे का मुद्दा और गरमाने के आसार हैं। आप सरकार के लिए चुनौती अब कार्रवाई के आंकड़ों के साथ जमीनी स्तर पर बदलाव दिखाने की भी है।

मोदी के जन्मदिन से सेवा संकल्प अभियान, सीएम योगी ने दिए निर्देश

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान; 12 तरह की सेवा गतिविधियां होंगी

एजेंसी। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार देर रात कार्यकर्ताओं को वर्चुअल माध्यम से जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और संगठन की भावना के साथ अभियान को सफल बनाते हुए अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाए।

अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा। अधिकतम भागीदारी पर जोर: मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से अभियान के तहत निर्धारित सभी गतिविधियों को पूरी सक्रियता के साथ आयोजित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि सेवा कार्यों में ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास हो। एक महीने के अभियान के दौरान कुल 12 प्रकार की सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। वर्चुअल बैठक में कार्यकर्ताओं को अभियान की रूपरेखा, गतिविधियों के आयोजन और संगठनात्मक स्तर पर जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। योगी ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में विकसित उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका है। सेवा कार्यों के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और जनसेवा की भावना को मजबूत करने का प्रयास होना चाहिए। बैठक में जिले के जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोहन यादव ने अक्षत के परिजनों से की बात

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली में हादसे में जान गंवाने वाले कटनी निवासी अक्षत यादव के परिजनों से वीडियो कॉल पर बात कर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने मंत्रालय से अक्षत के पिता मंतू सिंह यादव और अन्य परिजनों से बातचीत की। उन्होंने अक्षत के निधन पर गहरा दुख जताते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्षत के साथ हुई घटना बेहद दुखद और पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में वे स्वयं और पूरी मध्य प्रदेश सरकार परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने ढांढस बंधाते हुए कहा कि परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति मिले, यही उनकी प्रार्थना है। 19 वर्षीय अक्षत यादव दिल्ली में रहकर दिल्ली विश्वविद्यालय से बीकॉम द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे। वह संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी भी कर रहे थे।

सुक्खू की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक स्थगित

▪ **11 सितंबर को प्रस्तावित बैठक अपरिहार्य कारणों से टली, नए आदेश तक नहीं होगी**

समर न्यूज। शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में 11 सितंबर को प्रस्तावित प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। बैठक को आगामी आदेशों तक टाल दिया गया है।

सरकार की ओर से इस संबंध में संबंधित विभागों और अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। मंत्रिमंडल की बैठक में प्रदेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और नीतिगत मामलों पर चर्चा होने की संभावना थी। हालांकि, बैठक स्थगित किए जाने के कारण अब इन प्रस्तावों पर निर्णय के लिए नई तारीख का इंतजार करना होगा। सरकार की ओर से फिलहाल बैठक की नई तारीख घोषित नहीं की गई है। बैठक को स्थगित करने का फैसला अपरिहार्य कारणों से लिया गया है। नई तारीख तय होने के बाद इसकी जानकारी जारी की जाएगी।

मंत्रिमंडल की अगली बैठक में लंबित प्रस्तावों के साथ नए विषय भी चर्चा के लिए शामिल किए जा सकते हैं। कैबिनेट बैठक में लिए जाने वाले फैसलों का प्रदेश के विभिन्न विभागों और प्रशासनिक कामकाज पर असर पड़ता है।

बैठक टलने के बाद जिन मामलों पर मंत्रिमंडल की मंजूरी जरूरी है, उन पर फिलहाल फैसला आगे बढ़ गया है। सरकार की ओर से अगली बैठक को लेकर आदेश जारी होने का इंतजार है।

हरिपुर को हरिद्वार जैसा केंद्र बनाने की शुरुआत करेंगे मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी। देहरादून

उत्तराखंड सरकार देहरादून के कालसी स्थित हरिपुर को हरिद्वार की तर्ज पर प्रमुख धार्मिक केंद्र के

रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 17 सितंबर को यहां नवनिर्मित यमुना घाट का लोकार्पण करेंगे। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन और विश्वकर्मा दिवस भी है। धार्मिक केंद्र के रूप में विकासः सरकार की योजना केवल घाट निर्माण तक सीमित नहीं है।

हरिपुर को यमुना के मैदानी क्षेत्र में बड़े तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने के लिए धार्मिक स्थलों और श्रद्धालुओं से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

लोकतंत्र को और मजबूत करने के लिए मतदान जरूरी : राजीव दत्ता

समर न्यूज | कोटा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विशेष कार्याधिकारी और राजस्थान राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष राजीव दत्ता ने शुक्रवार को मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद उन्होंने आम लोगों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करते हुए अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

राजीव दत्ता ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का वोट बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मतदान केवल एक अधिकार ही नहीं, बल्कि नागरिक की जिम्मेदारी भी है। हर मतदाता को समय निकालकर मतदान केंद्र तक पहुंचना चाहिए और अपने मताधिकार का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवा मतदाताओं से बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लेने की अपील की। दत्ता ने कहा कि युवा देश के भविष्य का आधार हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनकी भागीदारी जितनी अधिक होगी, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी भी चुनावी प्रक्रिया को अधिक सशक्त और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाती है। प्रत्येक वोट का अपना महत्व है और एक-एक मत मिलकर जनमत का निर्माण करता है। राजीव दत्ता ने लोगों से बिना किसी झिझक और उत्साह के मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए जागरूक और जिम्मेदार मतदाता सबसे बड़ी ताकत हैं।

लंपी रोग पर भजनलाल सख्त टीकाकरण तेज करने के निर्देश

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान में लंपी स्किन रोग को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर रोग की स्थिति और नियंत्रण उपायों की उच्चस्तरीय समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि अभी रोग के मामले पूर्वी राजस्थान के कुछ जिलों तक सीमित हैं और पूरे प्रदेश में इसका प्रसार नहीं हुआ है। केंद्र सरकार ने भी राज्यों को समय पर टीकाकरण, संक्रमित पशुओं को अलग रखने और रोग की निगरानी बढ़ाने की सलाह दी है।

टीकाकरण और दवाओं पर जोर: भजनलाल शर्मा ने पूरे प्रदेश में टीकाकरण अभियान तेज करने और प्रभावित क्षेत्रों में रोग प्रतिरोधक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। गोशालाओं और अन्य स्थानों पर संक्रमित पशुओं को अलग रखने के साथ पशुपालकों को बीमारी के लक्षण और बचाव के उपायों की जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए।

अधिकारियों के अनुसार राज्य में अब तक 10,403 पशु संक्रमित पाए गए हैं, जिनमें 6,905 स्वस्थ हो चुके हैं। प्रदेश में 87 प्रतिशत से अधिक टीकाकरण पूरा होने की जानकारी दी गई।

रोग नियंत्रण के लिए राज्य और जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष तथा जिला और ब्लॉक स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दल बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को क्षेत्र में लगातार निगरानी रखने और पशुपालकों को सावधानियां बरतने के लिए जागरूक करने को कहा।

द SUMMER न्यूज़

समर प्राइम 3

www.summerexpress.in

12 सितंबर 2026

समर एक्सप्रेस

गीतांजलि अरोड़ा
(मिसेज इंडिया इंटरनेशनल ग्लोबल 2026)

कमाई ही नहीं, अपने पैसों की समझ भी जरूरी

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हममें से बहुत-सी महिलाएं घर का बजट संभालती हैं, बच्चों की फीस से लेकर राशन और बिजली के बिल तक का हिसाब रखती हैं, नौकरी करती हैं और परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देती हैं। लेकिन जब बात निवेश, बीमा, कर, सेवानिवृत्ति योजना या बड़े वित्तीय फैसलों की आती है, तो अक्सर हम कह देती हैं- 'यह सब आप देख लीजिए।' यह कहना है मिसेज इंडिया इंटरनेशनल ग्लोबल- 2026 गीतांजलि अरोड़ा का। वह कहती हैं- यहीं से एक महत्वपूर्ण सवाल पैदा होता है- क्या आर्थिक रूप से योगदान देना ही पर्याप्त है या अपने पैसों को समझना भी उतना ही जरूरी है? मेरा मानना है कि हर महिला के लिए वित्तीय साक्षरता अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। आर्थिक स्वतंत्रता का अर्थ केवल यह नहीं है कि महिला नौकरी करती हो या उसकी अपनी आय हो। वास्तविक स्वतंत्रता तब आती है, जब उसे पता हो कि उसकी कमाई कहां जा रही है, उसकी बचत कितनी है, परिवार की आर्थिक स्थिति क्या है और भविष्य के लिए किस तरह की योजना बनाई गई है।

गीतांजलि कहती हैं कि कई परिवारों में निवेश और बैंकिंग से जुड़े फैसले किसी एक सदस्य द्वारा संभाले जाते हैं। इसमें कोई बुराई नहीं है। समस्या तब पैदा होती है, जब परिवार के दूसरे सदस्यों को इन फैसलों की जानकारी ही न हो। हर महिला को कम-से-कम इतना जरूर पता होना चाहिए कि उसके नाम पर कौन-कौन से बैंक खाते हैं, कितनी बचत है, कौन-सी बीमा पॉलिसियां हैं, निवेश कहां किया गया है और परिवार की महत्वपूर्ण वित्तीय जानकारी कहां उपलब्ध है। जानकारी किसी पर अविश्वास नहीं है, बल्कि अपने भविष्य के प्रति जिम्मेदारी है।

▪ शुरुआत छोटी हो सकती है: *वित्तीय साक्षरता का अर्थ यह नहीं है कि हर महिला को शेयर बाजार की विशेषज्ञ बनना पड़े। इसकी शुरुआत बहुत सामान्य चीजों से की जा सकती है- बजट बनाना, बचत का लक्ष्य तय करना, बैंक स्टेटमेंट पढ़ना, ब्याज की गणना समझना और यह जानना कि सावधि जमा (एफडी), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ), म्यूचुअल फंड, बीमा और पेंशन जैसी वित्तीय व्यवस्थाएं किस तरह काम करती हैं। इसके बाद धीरे-धीरे निवेश और कर से जुड़ी बुनियादी जानकारी हासिल की जा सकती है। आज इंटरनेट पर जानकारी की कमी नहीं है, लेकिन हर जानकारी सही या सभी के लिए उपयुक्त हो, यह जरूरी नहीं। इसलिए किसी वित्तीय निर्णय से पहले विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी लेना और आवश्यकता पड़ने पर योग्य वित्तीय सलाह लेना भी महत्वपूर्ण है।*

▪ हर महिला के पास हो 'आर्थिक सुरक्षा की चाबी': *गीतांजलि के अनुसार हर महिला को कम-से-कम कुछ बुनियादी वित्तीय सुरक्षा अपने स्तर पर सुनिश्चित करनी चाहिए।*

*-**पहला**: आपातकालीन बचत। अचानक नौकरी जाने, बीमारी, परिवार में किसी आपात स्थिति या किसी अप्रत्याशित खर्च के समय छोटी-सी बचत भी बड़ा सहारा बन सकती है।*

*-**दूसरा**: बीमा की समझ। बीमा को निवेश या केवल कर बचाने का साधन मानना सही दृष्टिकोण नहीं है। जीवन और स्वास्थ्य से जुड़े जोखिमों के लिए पर्याप्त सुरक्षा क्यों और कितनी जरूरी है, इसे समझना चाहिए।*

*-**तीसरा**: निवेश में विविधता। अपनी सारी बचत एक ही जगह रखना हमेशा उचित नहीं होता। अपने वित्तीय लक्ष्यों, निवेश की अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार अलग-अलग विकल्पों को समझना जरूरी है।*

*-**चौथा**: सेवानिवृत्ति की योजना। महिलाएं अक्सर परिवार की वर्तमान जरूरतों को भविष्य की जरूरतों से ऊपर रख देती हैं। लेकिन आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य की योजना जितनी जल्दी शुरू की जाए, उतना बेहतर होता है।*

*-**पांचवां**: डिजिटल वित्तीय सुरक्षा। आज बैंकिंग और निवेश का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन है। ओटीपी, पिन और पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करना, संदिग्ध लिंक से बचना और डिजिटल धोखाधड़ी के प्रति जागरूक रहना भी वित्तीय साक्षरता का हिस्सा है।*

▪ 'मेरे पति संभाल लेते हैं' पर्याप्त जवाब नहीं: *हमारे समाज में यह वाक्य सामान्य है-'मेरे पति सारे पैसे देखते हैं।' पति-पत्नी के बीच विश्वास होना अच्छी बात है, लेकिन विश्वास और जानकारी एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। इसी तरह बेटियों को भी केवल इसलिए वित्तीय मामलों से दूर नहीं रहना चाहिए कि ''पापा सब संभाल रहे हैं।'' परिवार में आर्थिक जिम्मेदारियां साझा हो सकती हैं, लेकिन वित्तीय समझ भी साझा होनी चाहिए। किसी भी परिवार में परिस्थितियां कभी भी बदल सकती हैं। ऐसे समय में वित्तीय जानकारी रखने वाला व्यक्ति ही अधिक आत्मविश्वास के साथ जरूरी फैसले ले सकता है।*

▪ निवेश से डरने के बजाय सीखने की जरूरत: *कई महिलाएं निवेश को जटिल समझकर उससे दूरी बनाए रखती हैं। दूसरी ओर, कुछ महिलाएं बिना पूरी जानकारी के किसी परिचित, रिश्तेदार या सोशल मीडिया पर मिली सलाह के आधार पर निवेश कर देती हैं। दोनों स्थितियों से बचना जरूरी है। हमें किसी के कहने पर पैसा लगाने के बजाय सवाल पूछने की आदत डालनी चाहिए—इसमें जोखिम कितना है? पैसा कितने समय के लिए लगाना है? रिटर्न की कोई गारंटी है या नहीं? इससे जुड़े शुल्क क्या हैं? अगर अचानक पैसे की जरूरत पड़ जाए तो क्या होगा? सवाल पूछना वित्तीय समझ की शुरुआत है।*

***आर्थिक रूप से जागरूक महिला, आर्थिक रूप से मजबूत परिवार**: गीतांजलि का मानना है कि जब कोई महिला वित्तीय रूप से जागरूक होती है, तो इसका लाभ केवल उसे ही नहीं मिलता। वह बच्चों को बचत की आदत सिखा सकती है, परिवार के बड़े आर्थिक फैसलों में बेहतर योगदान दे सकती है और मुश्किल समय में अधिक आत्मविश्वास के साथ खड़ी हो सकती है। इसलिए महिला सशक्तीकरण की चर्चा में वित्तीय साक्षरता को भी केंद्र में रखना होगा। हमें अपनी बेटियों को केवल अच्छी शिक्षा हासिल करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित नहीं करना चाहिए, बल्कि उन्हें यह भी सिखाना चाहिए कि वे अपनी मेहनत की कमाई को समझें, उसका सम्मान करें और उसके भविष्य की योजना बनाएं। आखिरकार, आर्थिक स्वतंत्रता का सबसे मजबूत आधार केवल बड़ी कमाई नहीं, बल्कि सही जानकारी और सही निर्णय लेने का आत्मविश्वास है। हर महिला को अपने पैसों के बारे में इतना जरूर पता होना चाहिए कि अगर कभी जीवन में उसे अकेले कोई आर्थिक निर्णय लेना पड़े, तो वह डर के बजाय आत्मविश्वास के साथ कह सके- 'मैं इसे समझती हूं और यह निर्णय ले सकती हूं।'*

117 सीटों में भाजपा निकालेगी चार 'नशा मुक्त पंजाब यात्राएं'

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब में अगले विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी नशे के मुद्दे को लेकर प्रदेशव्यापी अभियान शुरू करने जा रही है। पार्टी 18 सितंबर से 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के नाम से चार यात्राएं निकालेगी। इनका उद्देश्य राज्य के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचना है।

चारों यात्राएं मिलकर करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 18 सितंबर को पठानकोट जिले के माधोपुर स्थित एकता स्थल से पहली यात्रा को रवाना करेंगे। यात्रा का समापन 30 सितंबर को जालंधर में होगा, जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रैली को संबोधित करेंगे।

पहली यात्रा पठानकोट से शुरू होकर गुरदासपुर, बटाला, अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर, कपूरथला और नकोदर होते हुए जालंधर कैंट पहुंचेगी। दूसरी यात्रा 19 सितंबर को श्री फतेहगढ़ साहिब से शुरू होगी और समराला, खन्ना, मोहाली, खरड़, रोपड़, आनंदपुर साहिब, होशियारपुर, नवांशहर, बंगा और फगवाड़ा होते हुए जालंधर पहुंचेगी।

तीसरी यात्रा 20 सितंबर को फाजिल्का के सादिकी सीमा क्षेत्र स्थित 1971 युद्ध स्मारक से शुरू होकर मुक्तसर, मलोट, फरीदकोट, मोगा, जगरांव, मलेरकोटला और साहनेवाल होते हुए लुधियाना पहुंचेगी। चौथी यात्रा 21 सितंबर को तलवंडी साबो स्थित तख्त दमदमा साहिब से शुरू होगी और बठिंडा, मानसा, बरनाला, संगरूर, पटियाला तथा राजपुरा होते हुए जालंधर पहुंचेगी।

▪ नशे के साथ कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार भी मुद्दा: प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि यात्रा केवल नशे के खिलाफ जागरूकता तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को भी उठाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे की समस्या ने पंजाब के परिवारों, खासकर युवाओं को प्रभावित किया है। पार्टी नेताओं ने नशे के खिलाफ कार्रवाई के साथ पुनर्वास और रोजगार पर भी जोर दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनप्रीत सिंह बादल ने कहा कि केवल प्राथमिकी दर्ज करने से समस्या का समाधान नहीं होगा और नशे के नेटवर्क की वित्तीय कड़ियों तक पहुंचना जरूरी है।

▪ चुनावी रणनीति का हिस्सा: भाजपा की यह पहल ऐसे समय हो रही है जब 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं। पार्टी नशे को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। हालिया जानकारी के अनुसार अभियान को केवल राजनीतिक कार्यक्रम के बजाय नशे के खिलाफ जनसंपर्क और जागरूकता अभियान के रूप में भी पेश किया जा रहा है। इसके तहत प्रभावित परिवारों, युवाओं और सामाजिक संगठनों तक पहुंच बनाने पर जोर रहेगा।

▪ नशे का नक्सलवाद की तर्ज पर खात्मे का दावा: पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा है कि जिस तरह केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ समयबद्ध अभियान चलाकर उसे खत्म करने का लक्ष्य हासिल किया, उसी तरह पंजाब में भी नशे की समस्या का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाएगा। पंजाब में जल्द असर दिखाई देगा।

नई पीढ़ी की महत्वाकांक्षा, दृढ़ता और प्रदर्शन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

'एवन साइकिल्स' ने क्रिकेटर रजत पाटीदार को बनाया ब्रांड एंबेसडर, नई सोच को बढ़ावा

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

75 वर्षों से अधिक समय से भारत में साइकिलिंग से जुड़ी एवन साइकिल्स ने भारतीय क्रिकेटर रजत पाटीदार को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। कंपनी के अनुसार, यह साझेदारी एवन की विरासत को नई पीढ़ी की महत्वाकांक्षा, दृढ़ता और प्रदर्शन से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कंपनी ने कहा कि एवन और रजत पाटीदार की यात्राएं भले ही अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी हों, लेकिन दोनों में दृढ़ संकल्प, अनुशासन, निरंतरता और आगे बढ़ते रहने की इच्छा जैसे समान मूल्य हैं।

एवन का मानना है कि सार्थक प्रगति रातोंरात हासिल नहीं होती, बल्कि रोजाना के प्रयास, धैर्य और लगातार आगे बढ़ने से बनती है। एवन साइकिल्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ओंकार सिंह पाहवा ने कहा कि 75 वर्षों से अधिक समय से एवन भारत की यात्रा का हिस्सा रही है और उसने कई पीढ़ियों को साइकिलिंग की आजादी और आनंद का अनुभव कराया है। उन्होंने कहा कि रजत पाटीदार की यात्रा दृढ़ता, अनुशासन और उत्कृष्टता की तलाश जैसे उन मूल्यों को दर्शाती है, जिन्होंने एवॉन को आकार दिया है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक ऋषि पाहवा ने कहा कि आज के युवा सफलता को प्रामाणिकता, निरंतर प्रयास और लगातार बेहतर करने की इच्छा से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि रजत क्रिकेट के अपने सफर और प्रदर्शन के प्रति अपने दृष्टिकोण के माध्यम से इन गुणों को दर्शाते हैं।

उनके साथ जुड़ाव से कंपनी को अगली पीढ़ी के साथ सार्थक संबंध बनाने का अवसर मिलेगा। उनका मानना है क ऐसे कदमों से कंपनी नए आयाम स्थापित करेगी।

रोजमर्रा की जिंदगी में सक्रियता पर जोर

एवन के संयुक्त प्रबंध निदेशक मनदीप सिंह पाहवा ने कहा कि खेल हो या रोजमर्रा की जिंदगी, बेहतर प्रदर्शन निरंतरता और अनुशासन से बनता है। उन्होंने कहा कि रजत की फिटनेस के प्रति प्रतिबद्धता और प्रदर्शन के उच्च मानकों को बनाए रखने का रवैया एवन की सक्रिय जीवनशैली की सोच से स्वाभाविक रूप से मेल खाता है। कंपनी के अनुसार, यह साझेदारी लोगों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में सक्रियता को शामिल करने के लिए प्रेरित करने के उसके व्यापक प्रयास का हिस्सा है। एवन का कहना है कि व्यस्त दिनचर्या और कम शारीरिक सक्रियता के दौर में सक्रिय रहने के लिए हमेशा जिम में अलग से एक घंटा देना जरूरी नहीं है। इसकी शुरुआत रोजमर्रा के जीवन में किए जाने वाले छोटे-छोटे विकल्पों से भी हो सकती है। रजत पाटीदार एवन के ब्रांड संचार का अभिन्न हिस्सा होंगे और कंपनी के सक्रिय जीवन, फिटनेस तथा प्रगति से जुड़े संदेश को नए दर्शकों और बाजारों तक पहुंचाने में भूमिका निभाएंगे। कंपनी ने कहा कि यह साझेदारी उसकी समृद्ध विरासत को युवा भारत की आकांक्षाओं से जोड़ते हुए प्रदर्शन, महत्वाकांक्षा और सक्रिय जीवनशैली की समकालीन भावना को आगे बढ़ाएगी।

पंजाब में सीएम चेहरा नहीं बताएगी कांग्रेस

समर न्यूज़ | जालंधर

पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस इस बार किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाकर मैदान में उतरने के बजाय सामूहिक नेतृत्व के फार्मूले पर आगे बढ़ेगी। पंजाब के नए प्रभारी सचिन पायलट ने स्पष्ट किया है कि पार्टी चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का ऐलान नहीं करेगी। चुनाव में पार्टी के सामूहिक नेतृत्व के साथ राहुल गांधी प्रमुख भूमिका में रहेंगे और सरकार बनने की स्थिति में मुख्यमंत्री का फैसला चुनाव परिणाम के बाद किया जाएगा।

पार्टी का यह फैसला पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही गुटबाजी की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत कई वरिष्ठ नेताओं के अपने-अपने समर्थक आधार हैं। ऐसे में किसी एक नेता को पहले ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने से दूसरे खेमों की नाराजगी बढ़ने की आशंका बनी रहती। सामूहिक नेतृत्व का विकल्प अपनाकर कांग्रेस फिलहाल इस टकराव को चुनावी अभियान पर हावी होने से रोकना चाहती है।

▪ पायलट के सामने सबसे बड़ी चुनौती: *सचिन पायलट को पंजाब का प्रभारी ऐसे समय बनाया गया है जब पार्टी के भीतर नेतृत्व और संगठन को लेकर खींचतान खुलकर सामने आई है। कांग्रेस ने भूपेश बघेल की जगह पायलट को यह जिम्मेदारी दी है। पायलट ने पंजाब के सभी नेताओं को साथ लेकर चलने और संगठन में हर धड़े को हिस्सेदार बनाने पर जोर दिया है। इससे संकेत है कि हाईकमान की प्राथमिकता फिलहाल किसी एक चेहरे को आगे करने से ज्यादा संगठन को एकजुट करना है।*

▪ वड़िंग-चन्नी खेमों को साथ लाने की कोशिश: *हाल के घटनाक्रमों से भी कांग्रेस की रणनीति में बदलाव के संकेत मिले हैं। चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा जैसे नेताओं का प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के साथ एक मंच पर आना आपसी दूरी कम करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, अंदरूनी मतभेद पूरी तरह खत्म हो गए हैं, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी। पायलट के सामने चुनौती यही है कि अलग-अलग नेताओं की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को पार्टी के सामूहिक चुनावी अभियान में बदला जाए।*

▪ राहुल होंगे अभियान का बड़ा चेहरा: *कांग्रेस के इस मॉडल में राहुल गांधी की भूमिका भी अहम होगी। पायलट के मुताबिक चुनाव अभियान में राहुल गांधी नेतृत्वकारी भूमिका निभाएंगे। इससे पार्टी का जोर स्थानीय नेताओं के बीच मुख्यमंत्री पद की प्रतिस्पर्धा के बजाय सरकार के खिलाफ मुद्दों और राष्ट्रीय नेतृत्व के संदेश पर रखने की संभावना है। यह रणनीति कांग्रेस को चुनाव तक सभी संभावित दावेदारों को साथ रखने की गुंजाइश भी देती है।*

▪ चुनाव बाद खुलेगा पत्ता: *मुख्यमंत्री का नाम चुनाव से पहले घोषित नहीं करने का फैसला कांग्रेस को दोहरा फायदा देने की कोशिश है। एक तरफ किसी नेता के पक्ष में खुलकर खड़े होने से पैदा होने वाली नाराजगी से बचा जा सकता है, वहीं चुनाव के बाद संख्या बल और विधायकों की राय के आधार पर फैसला लेने की गुंजाइश बनी रहती है।*

न्यू चंडीगढ़ को रेसकोर्स-सफारी सिटी बनाने का वादा, सुखबीर बोले- हम बदलेंगे तस्वीर

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले न्यू चंडीगढ़ और खरड़ क्षेत्र को लेकर बड़ा विकास एजेंडा पेश किया है। उन्होंने कहा कि अकाली दल की सरकार बनने पर नयागांव को न्यू चंडीगढ़ का हिस्सा बनाया जाएगा और इस पूरे इलाके को आधुनिक सुविधाओं से लैस विकसित क्षेत्र के रूप में तैयार किया जाएगा।

इसके साथ ही यहां रेसकोर्स और वन्यजीव सफारी विकसित करने का भी वादा किया गया है। सुखबीर ने यह घोषणा क्षेत्र में आयोजित पार्टी की राजनीतिक गतिविधि के दौरान की। सुखबीर के प्रस्ताव में केवल आवासीय विस्तार पर जोर नहीं है। उनका लक्ष्य न्यू चंडीगढ़, नयागांव और खरड़ क्षेत्र को पर्यटन, मनोरंजन और व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ने का है। उनका कहना है कि बेहतर योजना के साथ इस क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं और स्थानीय लोगों को आधुनिक शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। न्यू चंडीगढ़ पहले से ही मोहाली जिले में विकसित किए जा रहे नियोजित शहरी क्षेत्र के रूप में देखा जाता है। इसे चंडीगढ़ के विस्तार के तौर पर विकसित किया जा रहा है। ऐसे में नयागांव को इससे जोड़ने का प्रस्ताव इलाके की भौगोलिक और प्रशासनिक तस्वीर बदल सकता है। सुखबीर का दावा है कि इससे क्षेत्र का योजनाबद्ध विकास संभव होगा और मौजूदा अव्यवस्थित विस्तार की समस्या को भी दूर किया जा सकेगा। रेसकोर्स और वन्यजीव सफारी का प्रस्ताव सुखबीर के विकास एजेंडे का सबसे अलग पहलू है। इसका उद्देश्य क्षेत्र में पर्यटन और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियां बढ़ाना बताया गया है।

▪ चुनावी रणनीति का हिस्सा: *अकाली दल इन दिनों पंजाब में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने के लिए लगातार जनसभाएं और रैलियां कर रहा है। न्यू चंडीगढ़ में प्रस्तावित विकास मॉडल के जरिए पार्टी शहरी और अर्ध-शहरी मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रही है। क्षेत्र में बड़ी संख्या में नए आवासीय प्रोजेक्ट और तेजी से बढ़ती आबादी के कारण बुनियादी ढांचे, यातायात और सार्वजनिक सुविधाएं भी स्थानीय मुद्दे बने हुए हैं। सुखबीर का यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब पंजाब की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं।*

नूंह में चार पनीर डेरियों पर मारा छापा 7500 किलो मिलावटी पनीर बरामद

समर न्यूज | नूंह

मिलावटी पनीर तैयार कर दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के बड़े शहरों में सप्लाई किए जाने की शिकायतों के बीच प्रशासन ने बृहस्पतिवार देर रात बड़ी कार्रवाई की। संयुक्त टीम ने पुन्हाना क्षेत्र में चार पनीर डेरियों पर छापेमारी कर करीब 7500 किलोग्राम संदिग्ध मिलावटी पनीर बरामद किया।

कार्रवाई की सूचना फैलते ही क्षेत्र के अन्य डेरी संचालकों में भी हड़कंप मच गया। कई संचालकों ने कार्रवाई के डर से अपनी डेरियां बंद कर दीं। जिले में पनीर की अवैध और कथित मिलावटी डेरियों को लेकर पहले भी शिकायतें सामने आती रही हैं। 26 अगस्त को भी इस मामले को प्रमुखता से उठाया गया था। प्रशासन के अनुसार, जिले में तीन दर्जन से अधिक पनीर डेरियां अवैध रूप से संचालित होने की बात सामने आई है। वहीं, सरकार की ओर से पनीर तैयार करने पर एक साल के लिए प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद कुछ स्थानों पर इसका उत्पादन किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। छापेमारी के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी विकास जागलान, एसडीएम अमित कुमार, सदर थाना प्रभारी नरेश कुमार, तहसीलदार संजीव नागर और प्रदूषण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की गई थी। टीम ने युसुफ डेरी, खालिद-इसराईल डेरी, पंडित डेरी और सद्दाम डेरी नई पर जांच की। इस दौरान तैयार पनीर की बड़ी खेप बरामद हुई। अधिकारियों ने पनीर की गुणवत्ता और उसे तैयार करने में इस्तेमाल सामग्री की भी जांच की। बताया जा रहा है कि पुन्हाना क्षेत्र की कुछ डेरियों में तैयार होने वाला पनीर दिल्ली, फरीदाबाद, गुरुग्राम, नोएडा, मथुरा समेत आसपास के बड़े शहरों में भेजा जाता है। प्रशासन को आशंका है कि नियमों का उल्लंघन कर तैयार किए जा रहे पनीर की सप्लाई के जरिए लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। इसी को देखते हुए खाद्य सुरक्षा और प्रदूषण विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

छापेमारी के दौरान बरामद पनीर को नष्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई। प्रशासनिक टीम ने पनीर को गड्ढे में दबाकर नष्ट करने की तैयारी की। वहीं, प्रदूषण विभाग के अधिकारियों ने मौके से जरूरी नमूने भी लिए, जिन्हें जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई के बाद क्षेत्र में पनीर डेरी संचालकों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। कई संचालकों ने अपनी डेरियां बंद कर दीं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी नूंह राम निवास ने बताया कि सभी डेरी संचालकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इससे पहले भी कई पनीर डेरियों को नोटिस दिए जा चुके हैं और हाल ही में तीन डेरियां बंद कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषण संबंधी नियमों के उल्लंघन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बहादुरगढ़ अस्पताल में डॉक्टरों की हड़ताल ओपीडी सेवाएं बंद रहने से मरीज हुए परेशान

स्टाफ कर्मचारी और पीएमओ के बीच हुआ विवाद, मारपीट के आरोप

समर न्यूज | बहादुरगढ़

नागरिक अस्पताल के कार्यवाहक पीएमओ डॉ. विनय देशवाल के साथ मारपीट के विरोध में शुक्रवार को डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी। डॉक्टरों की हड़ताल के चलते अस्पताल की ओपीडी सेवाएं पूरी तरह प्रभावित रहीं। रोजाना करीब 1000 से 1200 मरीज ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचते हैं, लेकिन हड़ताल के कारण बड़ी संख्या में मरीजों को बिना उपचार के ही वापस लौटना पड़ा। दूर-दराज के क्षेत्रों से अस्पताल पहुंचे मरीजों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मामला वीरवार का है। बताया जा रहा है कि अस्पताल में राउंड के दौरान कार्यवाहक पीएमओ डॉ. विनय देशवाल और रेडियोग्राफर संदीप के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि इसी दौरान रेडियोग्राफर ने डॉ. विनय देशवाल के साथ मारपीट की। घटना की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल के डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों में रोष फैल गया। मामले में डॉक्टरों की शिकायत के बाद देर शाम आरोपी रेडियोग्राफर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इसके बावजूद डॉक्टरों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर शुक्रवार को हड़ताल शुरू कर दी। डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल परिसर में स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को लेकर ठोस व्यवस्था की जानी चाहिए।

हड़ताल कर रहे डॉक्टरों ने आरोपी रेडियोग्राफर को तत्काल निलंबित करने, उसकी जल्द गिरफ्तारी और उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की मांग की है। इसके अलावा अस्पताल परिसर में पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग भी उठाई गई है।

नंदू गैंग के नाम पर 2 करोड़ की रंगदारी फायरिंग के बाद मुठभेड़ में दो गुर्गे घायल

समर न्यूज | सोनीपत

नंदू गैंग के नाम पर दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने के बाद खांडा रोड स्थित एक कार्यालय पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। वारदात के बाद स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट ने आरोपियों की तलाश शुरू की।

पीछा करते हुए पुलिस टीम हरसाना गांव की सीमा में एनएच-334बी पर पहुंची, जहां पुलिस और संदिग्ध बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में दो युवक गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को खरखौदा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। मौके से तीन देशी पिस्तौल भी बरामद की गई हैं।

वार्ड नंबर-1 खरखौदा निवासी दीपक के मोबाइल पर रात करीब सवा नौ बजे एक व्यक्ति ने फोन किया। कॉल करने वाले ने खुद को नंदू गैंग से जुड़े मुकदमे में शामिल बताते हुए दीपक से दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। आरोपी ने रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। साथ ही अगली कॉल में रुपये देने की जगह बताने की बात कही। फोन आने के करीब आधे घंटे बाद दीपक के खांडा रोड स्थित कार्यालय में रहने वाले अजय ने उसे कॉल कर बताया कि कार्यालय के बाहर फायरिंग हुई है।

अजय के मुताबिक, काले रंग की बजाज सिटी-100 बाइक पर दो युवक वहां पहुंचे थे। बाइक पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी और उस पर लाल पट्टी लगी हुई थी। दोनों युवकों ने कार्यालय पर गोलियां चलाईं और इसके बाद फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। कार्यालय के गेट और दीवार पर गोलियों के निशान मिले, जबकि मौके से एक खाली खोल भी बरामद किया गया।

फायरिंग की सूचना के बाद स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट ने संदिग्धों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम पीछा करते हुए हरसाना गांव की सीमा में एनएच-334बी पर पहुंची। यहां दोनों पक्षों के बीच फायरिंग हुई।

रोहतक में नर्सरी में चोरी, सो रहे थे कर्मचारी, मोबाइल-नकदी ले गए चोर

समर न्यूज | रोहतक

दिल्ली रोड स्थित यासीन नर्सरी में देर रात चोरों ने कर्मचारियों की मौजूदगी में चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। बदमाश उस कमरे में दाखिल हुए, जहां नर्सरी के कर्मचारी सो रहे थे। चोरों ने कमरे से मोबाइल फोन, नकदी समेत अन्य कीमती सामान चोरी किया और बिना किसी को भनक लगे मौके से फरार हो गए।

शुक्रवार सुबह कर्मचारियों की नींद खुली तो कमरे में सामान बिखरा देखकर उन्हें चोरी का पता चला। इसके बाद उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। घटना के बाद नर्सरी कर्मचारियों के साथ-साथ आसपास के दुकानदारों और कारोबारियों में भी दहशत का माहौल है।

नर्सरी के कर्मचारी रोजाना की तरह 10 सितंबर की रात एक ही कमरे में सो रहे थे। आरोप है कि देर रात बदमाश कमरे में घुसे और वहां रखे मोबाइल फोन तथा नकदी पर हाथ साफ कर दिया। कमरे में कई कर्मचारियों के सोने के बावजूद किसी को बदमाशों की भनक तक नहीं लगी। चोरी के बाद आरोपी आसानी से मौके से निकल गए।

कर्मचारियों ने आशंका जताई है कि बदमाशों ने उन्हें बेहोश करने के लिए किसी नशीले पदार्थ या स्प्रे का इस्तेमाल किया हो सकता है। उनका कहना है कि कमरे में किसी अनजान व्यक्ति के प्रवेश करने पर सामान्य तौर पर किसी न किसी कर्मचारी की नींद खुल सकती थी। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशीला पदार्थ सुंघाने की बात फिलहाल केवल आशंका है।

इसकी पुष्टि मेडिकल जांच और जांच के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर ही हो सकेगी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोरी की वारदात रात करीब एक बजे से तीन बजे के बीच हुई।

घरौंडा में युवक की रॉड से हत्या, सिर पर किए नौ वार; आरोपी पकड़ा

समर न्यूज | करनाल

घरौंडा में शुक्रवार सुबह एक युवक की रॉड से हमला कर हत्या कर दी गई। युवक उस समय दुकान पर सफाई कर रहा था। इसी दौरान वहां पहुंचे आरोपी ने उसके सिर पर रॉड से लगातार नौ वार किए। गंभीर चोट लगने के कारण युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। मृतक की पहचान बालीनगर निवासी 30 वर्षीय तेजबीर सिंह पुत्र सुभाष के रूप में हुई है।

तेजबीर दुकान पर नौकरी करता था। शुक्रवार सुबह वह रोजाना की तरह दुकान की सफाई कर रहा था। इसी दौरान नेपाल निवासी उत्तम कुमार वहां पहुंचा और अचानक तेजबीर पर रॉड से हमला कर दिया। हमले में तेजबीर जमीन पर गिर गया, लेकिन आरोपी ने इसके बाद भी उसके सिर पर लगातार रॉड से वार किए। बताया जा रहा है कि आरोपी ने करीब नौ बार उसके सिर पर हमला किया।

एचएसजीएमसी प्रधान झींडा के खिलाफ धरना जारी, सदस्यों ने मांगा इस्तीफा

समर न्यूज | कुरुक्षेत्र

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (एचएसजीएमसी) के प्रधान जगदीश सिंह झींडा के खिलाफ कमेटी सदस्यों का धरना शुक्रवार को भी कुरुक्षेत्र स्थित एचएसजीएमसी मुख्यालय के बाहर जारी रहा। अंबाला से आए कमेटी सदस्य गुरतेज सिंह के नेतृत्व में चल रहे प्रदर्शन को अन्य सदस्यों और संगत का भी समर्थन मिल रहा है। प्रदर्शनकारी प्रधान जगदीश सिंह झींडा के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं।

धरना स्थल पर एचएसजीएमसी के सीनियर मीत प्रधान गुरमीत सिंह रामशरण भी पहुंचे। उन्होंने कमेटी के कामकाज और प्रधान की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शनकारियों की मांगों का समर्थन किया। रामशरण ने कहा कि प्रधान की ओर से कमेटी से जुड़े कई मामलों को लेकर घोषणाएं और वादे किए गए थे, लेकिन उनमें से कई अब तक धरातल पर लागू नहीं हुए हैं। इससे कमेटी के सदस्यों और संगत में नाराजगी बढ़ रही है।

दीदार सिंह नलवी ने भी धरना स्थल पर पहुंचकर गुरतेज सिंह की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कमेटी की कार्यप्रणाली को लेकर संगत के बीच कई सवाल उठ रहे हैं। ऐसे मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह विरोध केवल किसी एक सदस्य की नाराजगी तक सीमित नहीं है, बल्कि कमेटी के कामकाज को लेकर संगत में बढ़ते असंतोष को भी दर्शाता है।

गुरमीत सिंह रामशरण ने प्रधान जगदीश सिंह झींडा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि उन्हें प्रधान की कुर्सी इतनी प्रिय है तो वह उसे अपने घर ले जाकर रख लें, लेकिन प्रधान पद से इस्तीफा दे दें। उन्होंने कहा कि एचएसजीएमसी का गठन सिख धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन के लिए हुआ है और इसकी जिम्मेदारी प्रधान की है।

हरियाणा में फिर बढ़ेगी मानसून की सक्रियता, 11 जिलों में बारिश का अलर्ट

समर न्यूज | हिसार

हरियाणा में मानसून की गतिविधियां एक बार फिर बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार को प्रदेश के 11 जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, 14 सितंबर को भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम में बदलाव के साथ आने वाले दिनों में बारिश का दायरा और बढ़ने की संभावना जताई गई है।

फिलहाल प्रदेश में दिन के समय तेज धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हिसार में अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। तेज गर्मी के साथ उमस बढ़ने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार इस समय मानसून की गतिविधियां अपेक्षाकृत कमजोर हैं, लेकिन वातावरण में नमी और मौसम संबंधी परिस्थितियों में बदलाव के चलते आने वाले दिनों में मानसून फिर सक्रिय हो सकता है। शुक्रवार को पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, गुरुग्राम, नूंह, पलवल, फरीदाबाद, सोनीपत और पानीपत में बारिश की संभावना जताई गई है। इन जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी बादल छाने और बूंदाबांदी के आसार बने हुए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार मानसून की सक्रियता धीरे-धीरे बढ़ने के साथ आगामी दिनों में प्रदेश के कई जिलों में बारिश हो सकती है। 14 सितंबर को कई क्षेत्रों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में कुछ गिरावट आने और लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिलने की उम्मीद है।

नाहर सिंह कॉलोनी में आग, फ्रिज-वॉशिंग मशीन के गोदाम समेत 7 मकान चपेट में

समर न्यूज | फरीदाबाद

नाहर सिंह कॉलोनी में देर रात फ्रिज और वॉशिंग मशीन के गोदामों में अचानक भीषण आग लग गई। आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास स्थित करीब सात मकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें देखकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी।

बताया जा रहा है कि गोदाम रिहायशी इलाके में संचालित किए जा रहे थे। इनमें बड़ी संख्या में फ्रिज और वॉशिंग मशीन रखी हुई थीं। इलेक्ट्रॉनिक सामान की अधिक मात्रा होने के कारण आग तेजी से फैल गई। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाया। इस दौरान आसपास के मकानों को भी आग की लपटों से बचाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। आग की तीव्रता को देखते हुए स्थानीय लोगों में काफी देर तक दहशत का माहौल बना रहा।

प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। हालांकि दमकल विभाग और संबंधित अधिकारियों की जांच के बाद ही आग के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। आग से गोदामों में रखा सामान और अन्य संपत्ति कितनी क्षतिग्रस्त हुई है, इसका आकलन किया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं, रिहायशी क्षेत्र में बड़े स्तर पर गोदाम संचालित किए जाने को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं।

हादसे के बाद यह भी जांच का विषय है कि गोदामों में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं और यहां सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। अधिकारियों की जांच रिपोर्ट के बाद ही इस संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अंबाला में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल, 28 से 30 सितंबर तक कामकाज रहेगा ठप

अंकुर कपूर | अंबाला
समर न्यूज

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार को देशभर के 12 राष्ट्रीयकृत बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी एक दिवसीय हड़ताल पर रहे। अंबाला में भी बैंक कर्मचारियों ने इंडियन बैंक, निकोलसन रोड के सामने एकत्र होकर सरकार और बैंक प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए जल्द समाधान की मांग उठाई। हड़ताल के कारण अंबाला शहर की कई बैंक शाखाओं में नियमित बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। कई शाखाओं में कामकाज ठप रहा और बैंक पहुंचे ग्राहकों को बिना काम कराए वापस लौटना पड़ा। हालांकि डिजिटल और ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं चालू रहने के कारण ऑनलाइन लेनदेन करने वाले ग्राहकों को अपेक्षाकृत कम परेशानी हुई।

हरियाणा बैंक एम्प्लॉय फेडरेशन के सचिव पीसी चौहान ने कहा कि बैंक कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर लंबे समय से सरकार और बैंक प्रबंधन के साथ बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसके बावजूद उनकी समस्याओं और मांगों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा।

उन्होंने सरकार और बैंक प्रबंधन से कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। साथ ही कहा कि शुक्रवार की हड़ताल फिलहाल सांकेतिक रूप से एक दिन के लिए की गई है। यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की तो बैंक कर्मचारी संगठन आंदोलन को और व्यापक रूप देने की तैयारी करेगा।

यमुनानगर में पानी से भरे गड्ढे में डूबा एक वर्षीय मासूम, मौत

समर न्यूज | यमुनानगर

गांव अराइयांवाला में दर्दनाक हादसे में पानी से भरे गड्ढे में डूबने से एक वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब बच्चे के माता-पिता पास ही स्थित नर्सरी में काम कर रहे थे। मृतक की पहचान सिद्धू के रूप में हुई है। वह तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था।

मूलरूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के गांव धोरावाला निवासी शिव बालक पिछले करीब 10 वर्षों से अराइयांवाला में परिवार के साथ रह रहा है। शिव बालक और उसकी पत्नी महिमा गांव में एक नर्सरी में काम कर रहे थे। इसी दौरान उनका एक वर्षीय बेटा सिद्धू खेलते-खेलते नर्सरी के पास सिंचाई के लिए बनाए पानी से भरे गड्ढे में जा गिरा, जिससे उसकी मौत हो गई।

जज्बा माली की नौकरी, केमिस्ट्री पढ़ाने का जुनून; 36 छात्रों का भविष्य संवार रहे तरुण

अध्यापक डेपुटेशन पर पंचकूला में, बच्चों को रसायन विज्ञान पढ़ा रहा माली

समर न्यूज | यमुनानगर

व्यासपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में माली के पद पर तैनात तरुण इंदौरा इन दिनों अपने काम के साथ-साथ 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को केमिस्ट्री भी पढ़ा रहे हैं। स्कूल में विषय अध्यापक की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए तरुण ने शिक्षक की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाली है। वह अपनी मूल ड्यूटी के साथ 36 विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान पढ़ा रहे हैं।

तरुण की दिनचर्या सुबह स्कूल परिसर में पौधों की देखभाल और सफाई से शुरू होती है। इसके बाद वह कक्षा में पहुंचकर विद्यार्थियों को केमिस्ट्री के कठिन अध्याय और फॉर्मूले समझाते हैं। स्कूल में साइंस स्ट्रीम शुरू होने के बाद केमिस्ट्री लेक्चरर की नियुक्ति की गई थी, लेकिन बाद में उन्हें पंचकूला के एक स्कूल में डेपुटेशन पर भेज दिया गया। इसके बाद विद्यार्थियों के सामने विषय की पढ़ाई को लेकर समस्या खड़ी हो गई। 11वीं की परीक्षा विद्यार्थियों ने किसी तरह पूरी की, लेकिन 12वीं की बोर्ड परीक्षा को देखते हुए स्कूल प्रबंधन के सामने चुनौती बढ़ गई। जुलाई 2026 में स्कूल की प्रिंसिपल मीना कुमारी ने उपलब्ध स्टाफ की शैक्षणिक योग्यता और क्षमताओं का आकलन किया। इसी दौरान तरुण की शैक्षणिक योग्यता और पढ़ाने के अनुभव की जानकारी सामने आई। इसके बाद उन्हें ट्रायल के तौर पर विद्यार्थियों को केमिस्ट्री पढ़ाने का अवसर दिया गया। तरुण दो बार यूजीसी नेट उत्तीर्ण कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने एमए, बीएड, सीटीईटी और एचटीईटी टीजीटी की योग्यता हासिल की है। उन्हें शुरू से ही अध्यापन में रुचि रही है। 12वीं कक्षा के बाद से ही वह आसपास के बच्चों को पढ़ाते रहे हैं। उन्होंने आरएस बाल मंदिर, इसराना में भी कई वर्षों तक शिक्षण कार्य किया है। सितंबर की परीक्षा को ध्यान में रखते हुए तरुण अब तक करीब 20 प्रतिशत पाठ्यक्रम पूरा करा चुके हैं। उनका लक्ष्य वार्षिक परीक्षा से पहले पूरा सिलेबस खत्म कराना और विद्यार्थियों को पर्याप्त रिवीजन करवाना है। उनका कहना है कि शिक्षक की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थियों को उनके भविष्य के लक्ष्य, खासकर आईपीएस और प्राध्यापक बनने के सपनों की दिशा में आगे बढ़ाने में योगदान देना उनके लिए सबसे बड़ा संतोष है। विद्यार्थियों ने भी तरुण के पढ़ाने के तरीके की सराहना की है। 12वीं की छात्रा काजल ने बताया कि तरुण कठिन विषयों को भी सरल तरीके से समझाते हैं और विद्यार्थियों को सवाल पूछने में झिझक नहीं होती।

छात्रा सोनिया के अनुसार, वह प्रत्येक टॉपिक को उदाहरणों के साथ समझाते हैं और तब तक पढ़ाते हैं, जब तक विद्यार्थियों को विषय अच्छी तरह समझ न आ जाए।

प्रिंसिपल मीना कुमारी ने बताया कि ट्रायल के दौरान तरुण ने केमिस्ट्री के विभिन्न विषयों को प्रभावी तरीके से पढ़ाया। विद्यार्थियों से भी उनके अध्यापन को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

गोठड़ा में युवक की हत्या, पांच नामजद आरोपियों पर केस दर्ज

समर न्यूज | भिवानी

गांव गोठड़ा में 41 वर्षीय युवक की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक के पिता की शिकायत पर लोहारू थाना पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक रविंदर कुमार को सौंपी गई है। गांव गोठड़ा निवासी सेवानिवृत्त सूबेदार रणबीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बड़ा बेटा प्रवीण कुमार उर्फ सीटू रात करीब नौ बजे उनके प्लाट में मौजूद था। शिकायत के मुताबिक, उसी दौरान गांव के जयकरण पुत्र ओमप्रकाश, वसंत पुत्र दरिया सिंह, महिपाल पुत्र ईश्वर सिंह, सोमवीर पुत्र ताराचंद और पवन पुत्र मातूराम भी वहां बैठे हुए थे।

आरोप है कि सभी लोग प्लाट में खाना-पीना कर रहे थे। इसी दौरान प्रवीण के साथ मारपीट की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, घटना के बाद प्लाट में सामान बिखरा हुआ मिला। कुछ समय बाद प्रवीण का शव जयकरण के घर के सामने गली में खून से लथपथ हालत में मिला। उसके सिर पर चोट के निशान थे।

फाइव-डे बैंकिंग की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियों ने की हड़ताल, हिमाचल में धर्मशाला, हमीरपुर और ऊना में प्रदर्शन

बैंक कर्मचारियों ने निकाली रैली, सरकार से लंबित मांगें जल्द पूरी करने की मांग; मांगें नहीं मानी तो सितंबर में दोबारा हड़ताल, 26 अक्टूबर से आंदोलन की चेतावनी

समर न्यूज़ | हमीरपुर/धर्मशाला/ऊना

बैंक कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी एकदिवसीय सांकेतिक हड़ताल का असर हिमाचल प्रदेश में भी देखने को मिला। हमीरपुर, धर्मशाला और ऊना में बैंक कर्मचारियों ने हड़ताल कर प्रदर्शन किया और कई स्थानों पर रैली निकालकर केंद्र सरकार व बैंक प्रबंधन के खिलाफ रोष जताया।

हड़ताल के चलते बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं, जिससे आम लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बैंक कर्मचारी संगठनों की प्रमुख मांगों में सप्ताह में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना, परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव में समानता, नई भर्ती कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करना और सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों की पेंशन में संशोधन शामिल हैं।बैंक कर्मचारी नेताओं का कहना है कि फाइव डे बैंकिंग की मांग लंबे समय से लंबित है।

कर्मचारियों के अनुसार वर्ष 2015 में 10वें द्विपक्षीय समझौते के दौरान पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मांग रखी गई थी। उस समय दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश लागू करने के साथ भविष्य में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने का आश्वासन दिया गया था। इसके बाद 11वें और 12वें द्विपक्षीय समझौते होने के बावजूद यह मांग पूरी नहीं हुई। कर्मचारियों का कहना है कि मार्च 2024 में भी पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था को लेकर प्रस्ताव और सहमति बनी थी, लेकिन इसे अब तक लागू नहीं किया गया।

कर्मचारियों ने कहा कि यदि सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू की जाती है तो वे कार्यदिवसों में प्रतिदिन अतिरिक्त समय देकर इसकी भरपाई करने के लिए तैयार हैं। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक, शेयर बाजार और सेबी सहित कई वित्तीय संस्थानों में पांच दिन कार्य व्यवस्था लागू है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अभी भी सप्ताह में छह दिन काम कर रहे हैं। उनका आरोप है कि वित्त मंत्रालय सिफारिश करर चुका है, लेकिन सरकार की ओर से मामले को लगातार टाला जा रहा है।

इंसेंटिव में समानता की मांग

बैंक कर्मचारियों ने परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव में भी समानता की मांग उठाई है। कर्मचारी नेताओं का आरोप है कि बैंक के प्रदर्शन और लाभ में योगदान देने वाले निचले स्तर के कर्मचारियों और उच्च अधिकारियों के बीच इंसेंटिव में काफी अंतर है।हमीरपुर में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के सर्किल सचिव अजय कतना ने कहा कि यूनियन की मांग है कि बैंक के प्रदर्शन और लाभ के आधार पर कर्मचारियों को पांच से 15 दिनों तक का इंसेंटिव दिया जाए। इसके अलावा बैंकिंग क्षेत्र में फील्ड पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए इंसेंटिव व्यवस्था में समानता लाई जानी चाहिए। धर्मशाला में हिमाचल बैंक एम्प्लाइज फेडरेशन एवं पीएनबी स्टाफ यूनियन हिमाचल प्रदेश के जनरल सेक्रेटरी राजकुमार गौतम ने भी इंसेंटिव व्यवस्था में असमानता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवाओं को जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचाने में क्लर्क, पीएन और स्केल-1 से 3 तक के कर्मचारियों की अहम भूमिका रहती है, इसलिए इंसेंटिव में उनके योगदान को उचित महत्व मिलना चाहिए।

वर्कफोर्स को लेकर भी उठाई आवाज

ऊना में बैंक कर्मचारियों ने वर्कफोर्स को स्केल-1 से स्केल-3 तक एक साथ जोड़ने के प्रस्ताव पर भी आपत्ति जताई। कर्मचारियों का कहना है कि कार्यभार और कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए वर्कफोर्स का उचित विभाजन किया जाना चाहिए, ताकि कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े और बैंकिंग सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

बैंक कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक फैसला नहीं लिया गया तो सितंबर में दोबारा आंदोलन किया जाएगा। संगठनों के अनुसार 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय हड़ताल प्रस्तावित है। इसके बावजूद मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 26 अक्टूबर से देशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है।कर्मचारी नेताओं ने कहा कि नोटबंदी और कोरोना महामारी जैसे मुश्किल दौर में भी बैंक कर्मचारियों ने लोगों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद उनकी लंबे समय से लंबित मांगों पर निर्णय नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं और कर्मचारियों की मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग

बैंक कर्मचारी संगठनों ने वर्ष 2010 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग भी उठाई है। इसके साथ ही लंबे समय पहले सेवानिवृत्त हुए बैंक कर्मचारियों की पेंशन में संशोधन की मांग की गई है। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि ऐसे कई पेंशनर्स हैं, जिनकी मूल पेंशन पुरानी वेतन संरचना के आधार पर निर्धारित हुई थी। उनकी पेंशन को वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप संशोधित किया जाना चाहिए।

नौकरी का इंतजार कर रहे युवाओं को लॉटरी और भांग की खेती का तोहफा : त्रिलोक

सुभाष | बिलासपुर
समर न्यूज़

सदर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक त्रिलोक जमवाल ने प्रदेश सरकार द्वारा लॉटरी को बढ़ावा देने और भांग की खेती को कानूनी मान्यता देने के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इन निर्णयों को प्रदेश और युवाओं के भविष्य के लिए चिंताजनक बताते हुए कहा कि एक ओर हजारों युवा रोजगार और सरकारी नौकरियों का इंतजार कर रहे हैं, वहीं सरकार उन्हें रोजगार के बजाय लॉटरी और भांग की खेती का विकल्प दे रही है।

त्रिलोक जमवाल ने कहा कि प्रदेश के हजारों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और लंबे समय से सरकारी भर्तियों का इंतजार कर रहे हैं। युवाओं को उम्मीद थी कि सरकार नई नौकरियां पैदा करने के साथ-साथ लंबित भर्ती प्रक्रियाओं को जल्द पूरा करेगी, लेकिन सरकार की प्राथमिकताएं इसके विपरीत दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कहा कि लॉटरी को बढ़ावा देने से युवाओं और समाज पर इसके नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। वहीं, भांग की खेती को कानूनी मान्यता देने के फैसले पर भी सरकार को व्यापक स्तर पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाली सरकार को ऐसे फैसलों के संभावित प्रभावों को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

भाजपा विधायक ने सरकार से मांग की कि युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर प्राथमिकता से काम किया जाए। उन्होंने खाली पड़े पदों को जल्द भरने और भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी तरीके से पूरा करने की मांग की। जमवाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की पहचान देवभूमि के रूप में है और युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है।

गुटबाजी से विचलित हैं सीएम, हार की हताशा उनके चेहरे पर साफ नजर आ रही : जयराम

▪ पूछा- क्या 'नॉर्मल रूटीन' काम के लिए लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे थे?

समर न्यूज़ | शिमला

शिमला से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पार्टी के अंदर चल रही गुटबाजी व वर्तमान राजनीतिक हालात से विचलित हैं और हार की हताशा उनके चेहरे पर साफ नजर आ रही है।

जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में हार के बाद मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया में इसे 'नॉर्मल रूटीन' बताने पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या इतने 'नॉर्मल रूटीन' काम के लिए लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे थे? संविधान की मर्यादा तार-तार कर रहे थे? बार-बार पंचायती राज के चुनाव को रोकने की साजिश कर रहे थे? डिजास्टर एक्ट का बहाना ले रहे थे? आपदा प्रभावितों के बीच अपने आपदा राहत के पैसे से सरकार के कार्यकाल का जश्न मना रहे थे। रोज नए-नए नियम बनाकर मित्र मंडल और उनके सहयोगियों, करीबियों को जनप्रतिनिधि बनाने का रास्ता साफ कर रहे थे, जिसे माननीय न्यायालय की ओर से बार-बार खारिज किया जा रहा था।

क्या 'नॉर्मल रूटीन' के भाजपा समर्थित प्रत्याशियों और नेताओं के ख़िलाफ़ मुक़दमे करके लोकतांत्रिक मूल्यों का गला घोंट रहे थे? जयराम ठाकुर ने कहा कि क्या 'नॉर्मल रूटीन' काम के लिए सरकार ने बार-बार न्यायालय की लताड़ खाकर अपनी फजीहत करवाई? इतने 'नॉर्मल रूटीन' के काम के लिए सत्ता के दुरुपयोग के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

क्या 'नॉर्मल रूटीन' के काम के लिए मुख्यमंत्री ने सारे अधिकारियों को जिला पंचायत सदस्यों को प्रताड़ित करने के लिए लगा दिया था? ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या नॉर्मल रूटीन के लिए नियम-कानून और संविधान ताक पर रखने वाले सीएम हैं सुक्खू? हार की हताशा में मुख्यमंत्री इस तरह की बातें कर रहे हैं।

इससे पहले वह जिला परिषद और ब्लॉक समिति के सदस्यों की वैल्यू को 'एक दिन' का बताकर जनादेश और माननीय न्यायालय पर टिप्पणी करके अपनी लोकतंत्र और संविधान विरोधी विचार सामने ला चुके हैं। मुख्यमंत्री को सच स्वीकार लेना चाहिए।

चुराह में मृतक को ही अलॉट कर दिया आवास, मामला दर्ज कराने की मांग

समर न्यूज़ | चंबा

चुराह उपमंडल की ग्राम पंचायत सेईकोठी में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत एक मृत व्यक्ति के नाम पर आवास स्वीकृत किए जाने का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत सनवाल के मकन गांव के मान सिंह पुत्र कर्म चंद ने निदेशक ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग को शिकायत भेजकर विभागीय जांच, सरकारी धन की वसूली व दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में सेईकोठी पंचायत के गांव ओहला में पीएमएवाई-जी के लिए लाभार्थियों की सूची तैयार की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार वर्ष 2018-19 में करीब 173 मकानों की सूची तैयार हुई थी। मामले का सबसे गंभीर पहलू पीएमएवाई-जी के ऑनलाइन रिकॉर्ड और मृत्यु प्रमाणपत्र को लेकर सामने आया है। पीएमएवाई-जी के पोर्टल पर आरोप है कि तत्कालीन पंचायत सचिव की अनुशंसा पर प्रशासनिक अधिकारी ने 173 मकानों को स्वीकृति प्रदान की। लाभार्थी आईडी एचपी 115031476 के तहत लाभार्थी का नाम भागी, पिता का नाम दसरावन, ग्राम नरवाड़, पंचायत सेईकोठी, विकास खंड तीसा दर्ज है। दूसरी ओर, मृत्यु प्रमाणपत्र में इसी नाम से संबंधित व्यक्ति की मृत्यु 12 मार्च, 2024 दर्ज है। प्रमाणपत्र में ग्राम पंचायत सेईकोठी का उल्लेख है और पंजीकरण संख्या डी-2020, 2.00056-000007 दर्ज है।

उधर, खंड विकास अधिकारी तीसा गोपाल ठाकुर का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है। दस्तावेजों की नियमानुसार जांच करवाई जाएगी। जांच में तथ्य सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिमला जिला परिषद चुनाव में हार को शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने बताया निराशाजनक

समीक्षा की जरूरत, दिल्ली में कांग्रेस नेताओं से संगठन व सरकार पर हुई चर्चा

संजू | शिमला
समर न्यूज़

शिमला जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने चुनाव परिणामों को कांग्रेस के लिए निराशाजनक करार दिया है।

उन्होंने कहा कि शिमला जिला लंबे समय से कांग्रेस का मजबूत दुर्ग रहा है, लेकिन पंचायतीराज चुनावों में पार्टी को उम्मीद के अनुरूप परिणाम नहीं मिले। ऐसे में इन नतीजों की गंभीरता से समीक्षा और आत्ममंथन करने की आवश्यकता है।शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि शिमला जिले में कांग्रेस की मजबूत लीडरशिप रही है। खासतौर पर जुब्बल-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र से सभी जिला परिषद सदस्य जीतकर आए हैं, लेकिन जिले के अन्य विधानसभा क्षेत्रों से पार्टी को अपेक्षा और आशा के अनुरूप परिणाम नहीं मिले।

इसी कारण कांग्रेस जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद हासिल नहीं कर पाई।उन्होंने कहा कि पार्टी को यह स्वीकार करना होगा कि आखिर किन क्षेत्रों में कमी रही और किन कारणों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सके। इस पूरे मामले पर गंभीरता से मंथन किया जाएगा और पार्टी संगठन को और मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। रोहित ठाकुर ने कहा कि इस संबंध में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष से भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर भी लगभग एक वर्ष का समय शेष है और ऐसे में पार्टी हित में मजबूती के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जिला परिषद चुनाव के परिणामों को कांग्रेस स्वीकार करती है और अब यह देखना जरूरी है कि पार्टी से कहां कमी रह गई।

कमियों को दूर कर संगठन को मजबूत किया जाएगा, ताकि आने वाले चुनावों में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। ठाकुर ने कहा कि उनका शिक्षा विभाग से संबंधित कार्यक्रम पहले से निर्धारित था, जिसके चलते वह दिल्ली गए थे। दिल्ली जाने के दौरान पार्टी नेतृत्व से मुलाकात होना भी स्वाभाविक है।

18 को हमीरपुर में 1.31 लाख बच्चों व युवाओं को मिलेगी कृमिनाशक दवा

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर 18 सितंबर को जिला हमीरपुर में व्यापक अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों और शिक्षण संस्थानों में एक से 19 वर्ष तक की आयु के करीब 1 लाख 31 हजार बच्चों, किशोरों और नवयुवाओं को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाएगी।

अभियान के दौरान एक से पांच वर्ष तक की आयु के 27,419 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक भी दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न टीकाकरण एवं प्रतिरक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक अतिरिक्त उपायुक्त अभिषेक गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम सहित स्वास्थ्य विभाग की अन्य योजनाओं और अभियानों की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

अतिरिक्त उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व शिक्षण संस्थानों के नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को दवा उनकी उपस्थिति में ही खिलाई जाए।

एलाइड एंड हेल्थकेयर कॉलेज में पहला सत्र इसी वर्ष से

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

हमीरपुर जिले में उत्तर भारत का पहला पूर्णतः स्वतंत्र एलाइड एंड हेल्थकेयर कॉलेज स्थापित किया गया है, जिसमें इसी वर्ष पहला शैक्षणिक सत्र शुरू होने की उम्मीद है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार जताते हुए इसे हमीरपुर और पूरे प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच के चलते हमीरपुर में स्थापित यह संस्थान युवाओं को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर देगा।

टीजीटी आर्ट्स के 414 चयनित अभ्यर्थियों को शीघ्र नियुक्ति दे सरकार : एसएफआई

समर न्यूज़ | शिमला

स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने हिमाचल प्रदेश सरकार से टीजीटी आर्ट्स भर्ती प्रक्रिया में चयनित 414 अभ्यर्थियों को जल्द नियुक्ति देने की मांग उठाई है। संगठन का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद नियुक्ति में हो रही देरी से अभ्यर्थियों में निराशा और असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

एसएफआई के राज्य अध्यक्ष अनिल ठाकुर और राज्य सचिव सनी सेकटा ने कहा कि टीजीटी आर्ट्सके पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जनवरी 2026 में शुरू की गई थी और इसमें 414 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। इसके बावजूद चयनित उम्मीदवारों को अभी तक नियुक्ति नहीं मिल पाई है। उन्होंने सरकार से नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने की मांग की।

एसएफआई नेताओं के अनुसार प्रदेश के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के पद लंबे समय से रिक्त हैं। शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ऐसे में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने में देरी से एक ओर युवाओं को रोजगार के लिए इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। एसएफआई राज्य अध्यक्ष अनिल ठाकुर ने कहा कि युवा लंबे समय तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और भर्ती प्रक्रिया में सफलता हासिल करने के बाद उन्हें नियुक्ति का इंतजार करना पड़ता है।

सरकार को चयनित अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति से जुड़ी सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी करनी चाहिए।राज्य सचिव सनी सेकटा ने कहा कि सरकार को सरकारी स्कूलों में रिक्त पड़े शिक्षकों के पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरना चाहिए।

बीपीएल चयन में पारदर्शिता पर पूरा जोर ग्रामीणों से सीधा संवाद कर रही सरकार

राकेश | ऊना
समर न्यूज़

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में बीपीएल परिवारों के चयन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और पात्र परिवारों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से पंचायत स्तर पर सीधा संवाद शुरू किया गया है।

इसी कड़ी में कांग्रेस विधायक विवेक शर्मा ने एसडीएम, खंड विकास अधिकारी केएल वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ प्लाहटा, बल्ह, छपरोह समेत आठ पंचायतों का दौरा किया। इस दौरान अधिकारियों और विधायक ने ग्रामीणों तथा बीपीएल परिवारों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और पात्रता व चयन प्रक्रिया की जानकारी दी। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पहली बार बीपीएल चयन प्रक्रिया को लेकर सरकार, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के स्तर पर मिलकर ऐसा प्रयास किया जा रहा है, जिससे चयन प्रक्रिया की पूरी जानकारी आम लोगों तक पहुंच सके।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र परिवार अपने अधिकार से वंचित न रहे।उन्होंने कहा कि बीपीएल सूची में शामिल होना अपने आप में कोई उपलब्धि नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

नूरपुर में नशा तस्कर की तीन करोड़ की संपत्ति जब्त, डेढ़ किलोग्राम से ज्यादा चरस पकड़ी थी

समर न्यूज़ | नूरपुर

नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस जिला नूरपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशा तस्करी से अर्जित संपत्ति पर शिकंजा कसा है। पुलिस थाना डमटाल में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में आरोपी बलविंदर उर्फ बिल्ला पुत्र ज्ञान चंद निवासी गांव छत्री इंदौरा जिला कांगड़ा की करीब 3.32 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है।

सक्षम प्राधिकारी नई दिल्ली ने पुलिस द्वारा की गई वित्तीय जांच को सही मानते हुए संपत्ति की जब्ती की पुष्टि कर दी है। पुलिस के अनुसार 29 दिसंबर, 2025 को पुलिस थाना डमटाल में यह मामला एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 एवं 29 के तहत दर्ज हुआ था। कार्रवाई के दौरान आरोपी बलविंदर उर्फ बिल्ला के कब्जे से एक किलो 852 ग्राम चरस बरामद की गई थी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस जिला नूरपुर द्वारा आरोपी की चल एवं अचल संपत्तियों की वित्तीय जांच की गई।

पुलिस के मुताबिक जांच में ऐसी संदिग्ध संपत्तियों की पहचान की गई, जिनका संबंध मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से अर्जित आय से पाया गया। इसके आधार पर संबंधित अचल संपत्तियों, होटल-कम-रेस्तरां, दुकानों, मोटर वाहनों तथा बैंक खातों में उपलब्ध धनराशि को अस्थायी रूप से फ्रीज यानी प्रतिबंधित किया गया। वित्तीय जांच के दौरान आरोपी की कुल संपत्ति का मूल्य 33232352.94 रुपए आंका गया था। पुलिस जिला नूरपुर ने पूरी वित्तीय जांच रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारी नई दिल्ली को भेजी।

▪ 17 मामलों में 30 करोड़ की संपत्ति जब्तः पुलिस जिला नूरपुर के अनुसार नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ केवल गिरफ्तारी और बरामदगी तक सीमित न रहते हुए उनकी अवैध कमाई और संपत्ति पर भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 10 सितंबर, 2026 तक कुल 17 अभियोगों में आरोपियों की 299592857 रुपए की संपत्ति जब्त करवाई जा चुकी है।

जागरूकता | मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सक्खू भी प्रतिभागियों के साथ लगाएंगे दौड़

ऊना में नशे के खिलाफ युवाओं की हुंकार, 16 को एंटी-चिट्टा वॉकाथॉन

राकेश | ऊना
समर न्यूज़

ऊना में चिट्टा और अन्य नशे के खिलाफ जागरूकता को लेकर 16 सितंबर को एंटी-चिट्टा वॉकाथॉन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

पुलिस महानिरीक्षक विमल गुप्ता ने शुक्रवार को ऊना के डीआरडीए सम्मेलन कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त जतिन लाल, बनगढ़ पुलिस बटालियन की कमांडेंट डॉ. आकृति शर्मा समेत पुलिस, प्रशासन और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस महानिरीक्षक ने सुरक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, परिवहन और प्रतिभागियों की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशे के खिलाफ सामूहिक आवाज को मजबूत करना है। उन्होंने स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों, आईटीआई और कॉलेज छात्रों के साथ आम लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वॉकाथॉन की शुरुआत सुबह 8 बजे इंदिरा गांधी खेल मैदान से होगी।

देशभर में पहचान बना चुका पुलिस बैंड 'हार्मनी ऑफ पाइन्स' अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम का आगाज करेगा। इसके बाद प्रतिभागी इंदिरा गांधी खेल मैदान से आईएसबीटी ऊना तक पैदल जाएंगे और वापस खेल मैदान पहुंचकर वॉकाथॉन का समापन होगा। प्रतिभागियों से सुबह 8 बजे तक आयोजन स्थल पर पहुंचने की अपील की गई है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू भी वॉकाथॉन में शामिल होंगे। वह युवाओं से संवाद करने के साथ उनके साथ पैदल चलेंगे और नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश देंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री प्रतिभागियों को नशे के विरुद्ध शपथ भी दिलाएंगे।

प्रतिभागियों की सुविधा के लिए आयोजन स्थल और वॉकाथॉन मार्ग पर छह पेयजल केंद्र बनाए जाएंगे। तीन स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी। प्रतिभागियों को आने और वापसी के दौरान रिफ्रेशमेंट भी उपलब्ध करवाया जाएगा। क्यूआर कोड से पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

इसके अलावा उन्हें एंटी-चिट्टा थीम पर आधारित टी-शर्ट और कैप भी प्रदान की जाएंगी।विमल गुप्ता ने शैक्षणिक संस्थानों से विद्यार्थियों को अपने संस्थान के बैनर के साथ वॉकाथॉन में शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसे लकड़ी या तख्ते वाले बैनर न लाए जाएं, जिनसे किसी को चोट लगने का खतरा हो।

विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली बसों पर भी एंटी-चिट्टा जागरूकता के बैनर लगाए जाएंगे, ताकि नशे के खिलाफ संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके।

पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की मांग के लिए बैंक कर्मचारी हड़ताल पर, चंडीगढ़ में भी प्रदर्शन

▪ समझौते और बार-बार आश्वासन के बावजूद मांग लागू न होने से बढ़ा रोष ▪ 28 से 30 सितंबर को फिर हड़ताल, 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की भी दी चेतावनी

शगुन कश्यप | चंडीगढ़
समर न्यूज

पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने समेत लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को देशभर के बैंक कर्मचारी और अधिकारी एक दिन की अखिल भारतीय हड़ताल पर रहे। हड़ताल के कारण कई स्थानों पर बैंकिंग सेवाएं और सामान्य कामकाज प्रभावित रहा। चंडीगढ़ में बैंक स्क्वायर, सेक्टर-17 में विभिन्न बैंकों और यूएफबीयू से जुड़े कर्मचारी व अधिकारी एकत्र हुए और अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया।

यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों को हड़ताल का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है, क्योंकि न्यायोचित मांगों पर औपचारिक समझौते और बार-बार दिए गए आश्वासनों के बावजूद अब तक अमल नहीं हुआ। इनमें सबसे प्रमुख मांग पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की है। नेताओं के अनुसार मार्च 2024 में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और बैंक यूनियनों के बीच इस संबंध में समझौता हुआ था, लेकिन ढाई साल से अधिक समय बीतने के बावजूद इसे लागू नहीं किया गया।

एक दिन का वेतन भी छोड़ा

हड़ताल में शामिल कर्मचारियों और अधिकारियों का उस दिन का वेतन काटा जाता है। यूनियन नेताओं ने कहा कि इसके बावजूद बैंककर्मियों ने सामूहिक मांग के समर्थन में एक दिन का वेतन त्यागकर अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दे की गंभीरता और लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर कर्मचारियों में बढ़ते असंतोष को दर्शाता है। पांच दिवसीय बैंकिंग के अलावा यूएफबीयू ने एकतरफा और भेदभावपूर्ण पीएलआई व्यवस्था पर भी आपत्ति जताई। यूनियनों ने मांग की कि पीएलआई में किसी भी बदलाव या उसके क्रियान्वयन से पहले यूनियनों और एसोसिएशनों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की जाए। साथ ही बैंकिंग उद्योग से जुड़े अन्य लंबित मुद्दों का भी समाधान किया जाए। स्थानीय प्रदर्शन के दौरान यूनियन नेताओं ने कहा कि हड़ताल की सफलता ने बैंक कर्मचारियों की एकजुटता साबित कर दी है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी कोई अनुचित रियायत नहीं मांग रहे, बल्कि पहले से हुए समझौते को लागू करने और लंबित मांगों का न्यायसंगत समाधान चाहते हैं।

आगे आंदोलन और तेज करने की तैयारी

यूएफबीयू कहा कि यदि सरकार और आईबीए की ओर से लंबित मुद्दों के समाधान के लिए सार्थक पहल नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके तहत 28, 29 और 30 सितंबर 2026 को लगातार तीन दिन अखिल भारतीय हड़ताल तथा 26 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल का कार्यक्रम घोषित किया गया है। नेताओं ने सरकार और आईबीए से अपील की कि औद्योगिक कार्रवाई को टालने के लिए तत्काल सार्थक वार्ता शुरू की जाए। प्रदर्शन में प्रियव्रत, इकबाल सिंह माल्ही, जगदीश राय, पंकज शर्मा, क्रांति राय, संतोष सिन्हा, गुरबक्स सिंह, बीएस गिल, सचिन कटियार, अमनदीप, युगेश कुमार, विभोर, राजीव, अजय गैपुरिया, संजय महाजन, मुकेश, एसएस भाटिया, शीना हुडा, मंजू शर्मा, सुमन सांगवान, राजेश कौशल, ऋषि उपाध्याय, नरेंद्र कुमार, प्रेम पवार, विनय कुमार, गरूण शर्मा और आरएस वालिया सहित कई यूएफबीयू नेता मौजूद रहे।

40 मिनट अतिरिक्त काम करने को भी थे तैयार

यूनियनों ने कहा कि केंद्र सरकार के कार्यालयों में वर्ष 1985 से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू है। राज्य सरकारों, जिला कार्यालयों, न्यायालयों, आयकर विभाग, शेयर बाजार, भारतीय रिजर्व बैंक और एलआईसी में भी पांच दिन कार्य व्यवस्था है। इसके विपरीत बैंक कर्मचारी सप्ताह में छह दिन काम करते हैं, जबकि ग्राहकों को एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और अन्य डिजिटल माध्यमों से सातों दिन और 24 घंटे बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं। यूनियन नेताओं ने कहा कि मार्च 2024 के समझौते के तहत बैंक कर्मचारी प्रत्येक कार्यदिवस में बैंकिंग और कार्य समय 40 मिनट बढ़ाने पर भी सहमत हुए थे, ताकि शनिवार को अतिरिक्त अवकाश देने से ग्राहकों के लिए उपलब्ध कुल बैंकिंग समय में कमी न आए।

वार्ड आरक्षण ने बदले निगम चुनाव के समीकरण 7 सीटें एससी के लिए रिजर्व, 12 वार्डों में महिलाएं

ड्रॉ में वार्ड-29, 4, 9, 15, 1, 3 और 32 एससी के लिए आरक्षित

मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज

नगर निगम चुनाव से पहले शुक्रवार को हुए वार्ड आरक्षण ड्रा ने शहर की राजनीति के समीकरण बदल दिए हैं। वार्ड-29, 4, 9, 15, 1, 3 और 32 को अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित कर दिया गया है। इनमें से तीन वार्ड एससी महिला के लिए आरक्षित होंगे, जबकि नौ वार्ड सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं।

इस तरह कुल 12 वार्डों में महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगी। आरक्षण की नई तस्वीर सामने आने के बाद कई मौजूदा पार्षदों की राजनीतिक जमीन खिसक गई है और उन्हें अगले चुनाव के लिए दूसरे वार्डों में अपनी दावेदारी तलाशनी होगी।

इस बार आरक्षण का ड्रॉ पहले से आरक्षित 16 वार्डों को छोड़कर शेष 19 वार्डों में से किया गया। इन 19 वार्डों में से सात को एससी और नौ को सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाना था। सात एससी वार्डों में से तीन एससी महिला के लिए आरक्षित होंगे। इस प्रकार शेष 19 वार्डों में 16 वार्ड आरक्षित हो गए हैं और केवल तीन वार्ड ही अनारक्षित रहेंगे।

▪ कई मौजूदा पार्षदों के सामने वार्ड बदलने की चुनौतीः आरक्षण का सबसे बड़ा असर वार्ड-3 के भाजपा पार्षद दलीप शर्मा पर पड़ा है। लगातार चुनाव जीतने के बाद वह तीसरी बार अपने मौजूदा वार्ड से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन वार्ड के एससी के लिए आरक्षित होने के बाद अब उन्हें नया राजनीतिक ठिकाना तलाशना होगा। वार्ड-4 की भाजपा पार्षद और डिप्टी मेयर सुमन शर्मा का चुनावी समीकरण भी बदल गया है। उनका मौजूदा वार्ड एससी के लिए आरक्षित होने के बाद अब उन्हें दूसरे वार्ड से टिकट की दावेदारी करनी होगी।

भाजपा पार्षद बिमला दुबे के लिए भी आरक्षण ने नई चुनौती खड़ी कर दी है। वर्ष 2021 में वार्ड-7 एससी के लिए आरक्षित होने के कारण उन्होंने वार्ड-9 से चुनाव लड़ा था। अब वार्ड-9 भी एससी के लिए आरक्षित हो गया है, ऐसे में उन्हें एक बार फिर नई राजनीतिक जमीन तलाशनी पड़ेगी। वार्ड-15 के रामचंद्र यादव भी प्रभावित होने वाले नेताओं में शामिल हैं। हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए यादव का वार्ड एससी के लिए आरक्षित हो गया है। ऐसे में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए उन्हें दूसरे वार्ड की तलाश करनी होगी। वार्ड-29 के मुन्नवर का राजनीतिक भविष्य भी आरक्षण के बाद नए सिरे से तय होगा। आप की टिकट पर पार्षद बने मुन्नवर अब कांग्रेस में हैं। उनके वार्ड के एससी के लिए आरक्षित होने के बाद पार्टी को उनकी अगली चुनावी भूमिका पर नया फैसला करना होगा।

वार्ड-32 के भाजपा पार्षद और सीनियर डिप्टी मेयर जसमनप्रीत सिंह की सीट भी एससी के लिए आरक्षित हो गई है। उन्हें भी अगला चुनाव लड़ने के लिए दूसरे वार्ड से टिकट की संभावनाएं तलाशनी होंगी। वहीं वार्ड-1 में एससी आरक्षण के बाद सामान्य वर्ग के मौजूदा दावेदारों के लिए चुनावी समीकरण बदल गए हैं।

▪ तीन एससी महिला और नौ सामान्य महिला वार्डः ड्रा के अनुसार सात एससी वार्डों में से तीन वार्ड एससी महिला के लिए आरक्षित होंगे। इसके अलावा नौ वार्ड सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। यानी कुल 12 वार्ड महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगे। इसका सीधा असर उन पुरुष नेताओं पर पड़ेगा, जो लंबे समय से अपने-अपने वार्डों से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। महिला आरक्षण वाले वार्डों में अब कई नेताओं को या तो दूसरे वार्डों का रुख करना होगा या फिर अपने परिवार से महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारना होगा। चंडीगढ़ में पूर्व में भी महिला आरक्षण के बाद कई नेताओं की पत्नियों और परिवार की अन्य महिला सदस्यों को मैदान में उतारने के उदाहरण सामने आ चुके हैं।

▪ अब शुरू होगी टिकट की असली जंगः आरक्षण की स्थिति स्पष्ट होने के बाद अब सभी राजनीतिक दलों में टिकट की असली जंग शुरू होगी। जिन मौजूदा पार्षदों के वार्ड आरक्षित हो गए हैं, वे दूसरे वार्डों में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश करेंगे। वहीं महिला आरक्षित वार्डों में नए महिला चेहरों की तलाश तेज होगी। आरक्षण ड्रॉ ने जहां कई मौजूदा पार्षदों के लिए वार्ड बदलने की मजबूरी पैदा कर दी है, वहीं नए नेताओं और महिला उम्मीदवारों के लिए निगम चुनाव में प्रवेश का रास्ता भी खोल दिया है।

पानी की समस्या लेकर नगर परिषद पहुंचे वार्ड आठ के लोग, जांच में अवैध निकले कनेक्शन

▪ प्रधान ने दी राहत, बोले- कनेक्शन लीगल करवाएं, पानी की कमी नहीं आने देंगे : विर्क

गुरमीत सिंह | जीरकपुर
समर न्यूज

नगर परिषद जीरकपुर के वार्ड नंबर 8 स्थित अंबेडकर कॉलोनी के निवासियों ने इलाके में पीने के पानी की समस्या को लेकर शुक्रवार को नगर परिषद कार्यालय में पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

पार्षद निर्मला गौतम की अगुवाई में बड़ी संख्या में लोग अपनी मांग लेकर नगर परिषद अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह विरक के पास पहुंचे। हालांकि, मामले की जांच के दौरान एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि शिकायत लेकर पहुंचे लोगों में से किसी के पास भी नगर परिषद का वैध पानी कनेक्शन नहीं था।

आंबेडकर कॉलोनी के निवासियों का कहना था कि पिछले कुछ समय से पानी की लाइन कट जाने के कारण उन्हें पीने के पानी की भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जब लोग अपनी मांग लेकर प्रधान विरक के पास पहुंचे तो उन्होंने रिकॉर्ड और मौके की स्थिति की समीक्षा की। जांच में सामने आया कि इलाके के अधिकांश घरों ने नगर परिषद से आधिकारिक पानी कनेक्शन लिया ही नहीं था। नगर परिषद अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह विर्क ने लोगों से कहा कि सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने के लिए नियमों के तहत कनेक्शन लेना जरूरी है। उन्होंने सभी लोगों से अपने कनेक्शन जल्द से जल्द नगर परिषद के नियमों के अनुसार वैध करवाने और आवश्यक दस्तावेज जमा करवाने की अपील की।

बलौंगी में महीनों से साफ पानी की सप्लाई बंद, लोगों का फूटा गुस्सा

दूषित पानी पीने को मजबूर बलौंगी निवासी, सड़क जाम कर किया रोष प्रदर्शन, राजनीतिक कारणों से सप्लाई प्रभावित करने का आरोप

सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज

पिछले कई महीनों से बलोंगी में साफ पीने वाले पानी की नियमित सप्लाई बाधित होने के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लोगों का आरोप है कि उन्हें मजबूरी में दूषित पानी का इस्तेमाल करना पड़ रहा था, जिसके चलते क्षेत्र में विभिन्न बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बलोंगी के नगर निगम के अधीन आने के बावजूद नगर निगम द्वारा पानी की व्यवस्था को अभी तक अपने अधीन नहीं लिया गया। वहीं, मौजूदा पानी की सप्लाई और वितरण की जिम्मेदारी पंचायत के पास होने के कारण भी व्यवस्था सुचारु रूप से नहीं चल पा रही थी। लोगों ने आरोप लगाया कि राजनीतिक कारणों से भी पानी की सप्लाई को प्रभावित किया जा रहा था।

लगातार कई महीनों से समस्या का समाधान न होने के कारण आज बलोंगी के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी बलोंगी-मोहाली मुख्य मार्ग पर एकत्र हुए और सड़क जाम कर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ रोष जताते हुए तत्काल साफ एवं नियमित पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने की मांग की। इस प्रदर्शन का नेतृत्व अनिल कुमार गुड्डू, जगबीर चौधरी, हरिंदर सिंह, संतोष कुमार, धर्मेंद्र सिंह, राज कुमार राय साहब, रीटा सिंह, कुलदीप सिंह, दुर्गेश तिवारी, शशि रंजन, महेश सहित अन्य स्थानीय साथियों ने किया।

प्रदर्शन के दौरान एसडीएम के साथ बातचीत हुई। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव वशिष्ठ के मौके पर पहुंचने पर पानी के वितरण की जिम्मेदारी संभाल रहे सरपंच ने मौके पर खड़े होकर स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि भविष्य में पानी की सप्लाई को लेकर ऐसी समस्या दोबारा नहीं आने दी जाएगी और व्यवस्था को सुचारु रखा जाएगा। सरपंच द्वारा दिए गए इस आश्वासन के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव वशिष्ठ जी के कहने पर बलोंगी वासियों ने अपना धरना समाप्त किया और सड़क से हट गए। स्थानीय लोगों ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में दोबारा पानी की सप्लाई बाधित होती है, तो बलोंगी निवासी शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से फिर से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएंगे।

भाजपा ने प्रशासन से मांग की है कि बलोंगी के लोगों को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाए और नगर निगम और पंचायत के बीच जिम्मेदारी को लेकर बनी स्थिति का तत्काल स्थायी समाधान निकाला जाए।

हादसाः ट्रक ने बाइक सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर को कुचला, मौके पर ही मौत

समर न्यूज | पंचकूला

सेक्टर-21 स्थित घग्गर पुल पर देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में अंबाला के दुखेड़ी गांव निवासी मनप्रीत की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। सेक्टर-20 थाना पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में कंपनी के एडमिन राहुल ने बताया कि मनप्रीत पंचकूला आईटी पार्क स्थित ऑल्ट्रस कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत था।

रात को वह अन्य कर्मचारियों के साथ ऑफिस से निकला था। सेक्टर-21 के छठ पूजा घाट के पास घग्गर पुल पर पहुंचने के दौरान ट्रक ने मनप्रीत की बाइक को टक्कर मार दी और उसे कुचल दिया। मनप्रीत की मौके पर ही मौत हो गई।

क्रेस्ट के 75.4 करोड़ के घोटाले में सीबीआई ने दाखिल की चार्जशीट

▪ तत्कालीन सीईओ आईएफएस नवनीत श्रीवास्तव और पत्नी समेत तीन आरोपित; 95 लाख की रकम से खरीदी गई संपत्ति

समर न्यूज | चंडीगढ़

चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलाजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) के 75.4 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में सीबीआई ने शुक्रवार को चंडीगढ़ की अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी। जांच एजेंसी ने क्रेस्ट के तत्कालीन सीईओ और आईएफएस अधिकारी नवनीत श्रीवास्तव, विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक को आरोपित बनाया है। कंपनी की निदेशक नवनीत श्रीवास्तव की पत्नी हैं।

सीबीआई ने आरोपितों के खिलाफ आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जालसाजी, सबूत नष्ट करने और फर्जी दस्तावेजों को असली बताकर इस्तेमाल करने समेत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। जांच के अनुसार, क्रेस्ट के सीईओ पद पर रहते हुए नवनीत श्रीवास्तव ने अन्य आरोपितों के साथ कथित साजिश रची और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के खातों से क्रेस्ट के फंड का गबन किया। सीबीआई का आरोप है कि उन्होंने लोकसेवक के पद का दुरुपयोग करते हुए अवैध आर्थिक लाभ हासिल किया। घोटाले की रकम में से 95 लाख रुपये उनकी पत्नी को मिले, जिसका इस्तेमाल अचल संपत्ति खरीदने में किया गया।

इस मामले में सीबीआई नवनीत श्रीवास्तव को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है और वह न्यायिक हिरासत में हैं। जांच एजेंसी इससे पहले मामले में 13 अन्य आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

504 करोड़ के बैंक घोटाले से जुड़ी जांच

क्रेस्ट का यह मामला आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की सेक्टर-32 शाखा में सामने आए बड़े बैंकिंग घोटाले से जुड़ा है। इसी मामले में हरियाणा सरकार के आठ विभागों से कथित तौर पर फर्जी तरीके से करीब 504 करोड़ रुपये निकाले गए थे। हरियाणा से जुड़े मामले में सीबीआई अब तक 37 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

ड्यूटी कर रहे सिक्योरिटी गार्ड को बनाया आरोपी, कोर्ट ने किया बरी

सागर पाहवा | खरड़
समर न्यूज

सेक्टर-125 स्थित सन्नी एन्क्लेव के केंद्रीय विहार-1 में ड्यूटी कर रहे सिक्योरिटी गार्ड के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले में अदालत ने उसे बरी कर दिया है।

नवजोत सिंह के खिलाफ थाना सदर खरड़ में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74, 351(2) व पॉक्सो एक्ट की धारा 12 के तहत केस दर्ज किया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने 10 सितंबर को मामले में फैसला सुनाते हुए नवजोत सिंह को आरोपों से बरी कर दिया। नवजोत सिंह की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता विशाल रत्तान ने बताया कि उनका मुवक्किल घटना के समय सोसायटी के मुख्य गेट पर बतौर सिक्योरिटी गार्ड अपनी ड्यूटी निभा रहा था।

21 जनवरी 2026 की शाम सोसायटी में रहने वाले पंजाब सरकार में डीएफओ तैनात एक व्यक्ति ने मुख्य गेट पर अपनी कार रोककर नवजोत सिंह व एक अन्य सिक्योरिटी गार्ड को बुलाया था।

मोहाली की टूटी सड़कों ने विकास के दावों पर खड़े किए सवालः बेदी

▪ सर्दी से पहले सभी खराब सड़कों की मरम्मत की मांग

गुरशरण सिंह | मोहाली
समर न्यूज

मोहाली नगर निगम के पूर्व डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह बेदी ने शहर की बदहाल सड़कों को लेकर पंजाब सरकार, गमाडा और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की है कि सर्दी शुरू होने से पहले शहर की सभी टूटी और खराब सड़कों की मरम्मत करवाई जाए।

बेदी ने कहा कि मोहाली को आधुनिक और बेहतर बुनियादी ढांचे वाला शहर बनाने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन मौजूदा समय में कई इलाकों की सड़कों की हालत इन दावों के विपरीत दिखाई दे रही है। उनके अनुसार फेज-3बी2, बलौंगी, टीडीआई, सेंट्रल मोहाली, फेज-5, फेज-7 सहित कई सेक्टरों और फेजों में सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अधीन आने वाली सड़कों की स्थिति भी चिंताजनक है। फेज-5 मार्केट के पीछे और फेज-3बी2 मार्केट के पीछे सहित कई क्षेत्रों में सड़कें टूट चुकी हैं। बेदी ने कहा कि खराब सड़कों के कारण बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और रोजाना आने-जाने वाले लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। गड्ढों और धूल-मिट्टी के कारण खास तौर पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए जोखिम और दिक्कतें बढ़ गई हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर मोहाली से बड़े स्तर पर राजस्व कमाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। गमाडा ने हाल के दिनों में मोहाली की जमीन बेचकर बड़ी आय अर्जित की है और उसका एक हिस्सा शहर के बुनियादी ढांचे को सुधारने पर खर्च किया जाना चाहिए।

जीरकपुर पुलिस ने झपटमारी गिरोह के सदस्य को दबोचा

गुरमीत सिंह | जीरकपुर
समर न्यूज

जीरकपुर के जरनैल एन्क्लेव इलाके में 9 सितंबर को दिनदहाड़े व्हीलचेयर दिव्यांग शिक्षक से हुई स्नैचिंग की वारदात को पुलिस ने सुलझाने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने वारदात में शामिल दो आरोपियों में से एक को चोरी की मोटरसाइकिल समेत गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस टीमों द्वारा संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

9 सितंबर को जर्नैल एन्क्लेव में व्हीलचेयर पर जा रहे शिक्षक को मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने निशाना बनाया था। दोनों आरोपी शिक्षक का बैग छीनकर मौके से फरार हो गए थे। बैग में जरूरी दस्तावेज, नकदी और मोबाइल फोन होने की बात सामने आई थी। वारदात की सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला सोशल मीडिया और मीडिया में तेजी से चर्चा में आया था। फुटेज में मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक व्हीलचेयर पर जा रहे शिक्षक के पास पहुंचकर उनका बैग छीनते दिखाई दिए थे। घटना के बाद पुलिस ने जांच तेज करते हुए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर सक्रिय की थीं।

दंगल मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व में खेलों को बढ़ावा देने का प्रयास

कुंभड़ा में जल्द बनेगा खेल स्टेडियमः मेयर

सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज

मोहाली नगर निगम के मेयर सरबजीत सिंह समाणा ने कहा है कि गांव कुंभड़ा में जल्द ही खेल स्टेडियम का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने यह घोषणा गांव में आयोजित विशाल कुश्ती दंगल के दौरान की, जहां वे खिलाड़ियों और आयोजकों का उत्साह बढ़ाने पहुंचे थे।

मेयर समाणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार राज्यभर में खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि खेल स्टेडियमों के निर्माण का उद्देश्य युवाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, उन्हें स्वस्थ रखना और उनकी खेल प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर देना है।

उन्होंने कहा कि कुंभड़ा में हर साल विशाल कुश्ती दंगल आयोजित किया जाता है और आयोजकों ने यहां स्थायी खेल स्टेडियम की मांग रखी है। इस मांग पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द से जल्द यहां खेल स्टेडियम बनवाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, ताकि भविष्य में खेल मेले और कुश्ती दंगल इसी स्थान पर आयोजित किए जा सकें।

समाणा ने कहा कि पंजाब सरकार खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए खेल आयोजनों को प्रोत्साहित कर रही है और बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार भी दिए जा रहे हैं। इससे दूसरे युवाओं को भी खेलों में आगे आने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि खेलों से युवाओं को नशे से दूर रखने में भी मदद मिलती है और प्रदेश में सकारात्मक खेल माहौल तैयार हो रहा है। इस मौके पर डिप्टी मेयर हरपाल सिंह चन्ना, पार्षद नसीब सिंह संधू, गुरजीत सिंह सहित कई गणमान्य लोग और खेल आयोजक मौजूद रहे।

दिल्ली के युवा खिलाड़ियों को हर माह 2,000 रुपये की मदद

▪ अंडर-14 से अंडर-21 आयु वर्ग के पात्र खिलाड़ियों को मिलेगा प्रोत्साहन, नियमित अभ्यास करने वालों पर फोकस

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए पात्र युवा खिलाड़ियों को हर महीने 2,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह सहायता अंडर-14, अंडर-17, अंडर-19 और अंडर-21 आयु वर्ग के उन खिलाड़ियों को दी जाएगी, जो दिल्ली सरकार के खेल केंद्रों और स्टेडियमों में नियमित रूप से प्रशिक्षण ले रहे हैं।

सरकार का उद्देश्य खिलाड़ियों को शुरुआती स्तर पर आर्थिक सहारा देकर नियमित अभ्यास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकार के अनुसार, छोटी उम्र में प्रशिक्षण, खेल सामग्री, पोषण और आने-जाने जैसी जरूरतों पर होने वाला खर्च कई परिवारों के लिए चुनौती बनता है। मासिक सहायता से खिलाड़ियों को इन जरूरतों में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

▪ प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने पर जोरः मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की युवा खेल प्रतिभाओं को केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए लगातार सहयोग दिया जाएगा। सरकार पहले भी खेल प्रशिक्षण और संसाधनों के लिए मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत राशि जारी कर चुकी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस योजना के तहत खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और संसाधनों के लिए 50 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

▪ जमीनी स्तर पर प्रतिभा तलाशने की कोशिशः नई मासिक सहायता योजना को दिल्ली में खेल प्रतिभाओं की शुरुआती पहचान और उन्हें लंबे समय तक प्रशिक्षण से जोड़े रखने की दिशा में कदम माना जा रहा है। सरकार का जोर ऐसे खिलाड़ियों को अवसर देने पर है, जिनमें क्षमता तो है, लेकिन आर्थिक कारणों से प्रशिक्षण जारी रखना कठिन होता है।

फेज-7 मार्केट में जगह-जगह कूड़े के ढेर पार्षद काहलों ने उठाए सवाल

गुरशरण सिंह | मोहाली
समर न्यूज

नगर निगम के पार्षद परमजीत सिंह काहलों ने फेज-7 मार्केट में सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सफाई ठेकेदार की ओर से जरूरी प्रबंध नहीं किए जाने के कारण मार्केट में कई स्थानों पर कूड़े के ढेर लग गए हैं, जिससे दुकानदारों और खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

काहलों ने कहा कि मार्केट के दुकानदारों ने कई बार नगर निगम की सफाई शाखा तक पहुंचकर व्यवस्था सुधारने की मांग की, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने मार्केट की सफाई का काम ठेके पर दिया हुआ है, लेकिन संबंधित ठेकेदार की ओर से न तो नियमित और उचित तरीके से सफाई करवाई जा रही है और न ही समय पर कूड़ेदानों से कचरा उठाया जा रहा है। काहलों के अनुसार, इसी लापरवाही का नतीजा है कि मार्केट के कई हिस्सों में कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं। इससे न केवल गंदगी फैल रही है, बल्कि दुर्गंध और अस्वच्छ माहौल के कारण लोगों की परेशानी भी बढ़ रही है।

उन्होंने नगर निगम प्रशासन से मांग की कि सफाई व्यवस्था की तुरंत समीक्षा की जाए और लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही मार्केट में नियमित सफाई और समय पर कूड़ा उठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि दुकानदारों और आम लोगों को राहत मिल सके।

फैक्टरी में काम करने को कहने पर अधिकारी पर दोस्तों से करवाया हमला

दो हमलावर काबू, मोबाइल से फैक्टरी कर्मचारी के साथ चैट मिलने का दावा

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी
समर न्यूज

मुबारकपुर रोड स्थित एलेंजर फैक्टरी में काम करने वाले एक कर्मचारी द्वारा अपने ही अधिकारी पर दोस्तों के जरिए हमला करवाने का मामला सामने आया है। घटना के दौरान मौके पर पहुंचे अन्य फैक्टरी कर्मचारियों ने दोनों हमलावर युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

फैक्टरी के मेंटेनेंस विभाग में अधिकारी महेंद्र शर्मा ने बताया कि वह सुबह मोटरसाइकिल से डेराबस्सी से फैक्टरी की ओर जा रहे थे। जब वह डीएवी स्कूल के पास पहुंचे तो दो युवकों ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे अन्य फैक्टरी कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया और दोनों युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ में युवकों ने कथित तौर पर बताया कि उन्हें फैक्टरी में काम करने वाले कुलदीप नामक कर्मचारी ने महेंद्र शर्मा पर हमला करने के लिए भेजा था।

पुलिस द्वारा पकड़े गए युवकों के मोबाइल फोन की जांच के दौरान उनके और फैक्टरी कर्मचारी के बीच हुई चैट भी मिलने का दावा किया गया है। महेंद्र शर्मा के अनुसार, कुलदीप सिंह काम में लापरवाही बरतता था। इसी कारण उसे कई बार काम को लेकर समझाया गया था। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर कुलदीप ने कथित तौर पर अपने दोस्तों के माध्यम से उन पर हमला करवाने की योजना बनाई।

बताया गया है कि हमला करवाने वाला कर्मचारी घटना के समय रोजाना की तरह ड्यूटी पर आया हुआ था। जब उसे दोनों युवकों के पकड़े जाने की जानकारी मिली तो वह मौका पाकर फैक्टरी से फरार हो गया। दोनों युवकों को मुबारकपुर पुलिस चौकी के हवाले कर दिया गया है। चौकी प्रभारी कुलवंत सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। बरामद किए गए मोबाइल फोन की भी जांच की जा रही है। इसके अलावा पकड़े गए युवकों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी पड़ताल की जा रही है।

जब खामोशी बोल उठी : बानू मुश्ताक की 'दिल का दीया'

समर न्यूज । चंडीगढ़

अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता कन्नड़ लेखिका, अधिवक्ता और समाजसेविका बानू मुश्ताक का कहानी-संग्रह हार्ट लैंप (मूल शीर्षकः हृदय दीप) केवल साहित्यिक उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज की उन अनसुनी आवाजों का दस्तावेज़ है, जिन्हें अक्सर इतिहास और परिवार दोनों ही चुप करा देते हैं। इस संग्रह की कहानी 'दिल का दीया' स्त्री की पीड़ा, उसकी सहनशीलता और अंततः उसकी आत्म-अभिव्यक्ति की मार्मिक कथा है। कहानी की नायिका महरून उन असंख्य स्त्रियों का चेहरा है, जो घर की चारदीवारी के भीतर अपनी इच्छाओं, सपनों और पहचान को धीरे-धीरे खो देती हैं। वह जीती तो है, लेकिन अपने लिए नहीं। उसका विवाह प्रेम और विश्वास से शुरू होता है, पर समय के साथ पति इनायत का अपनापन उपेक्षा में बदल जाता है। रिश्ते की गर्माहट ख़त्म हो जाती है और महरून का संसार भीतर ही भीतर बिखरने लगता है। जब इनायत उसे छोड़ने का निर्णय सुनाता है, तब महरून न कोई शिकायत करती है और न ही कोई शोर मचाती है। उसकी चुप्पी ही उसके टूटे हुए मन की सबसे बड़ी गवाही बन जाती है। यही मौन इस कहानी की सबसे प्रभावशाली शक्ति है।

लेकिन कहानी यहीं समाप्त नहीं होती। महरून हार मानने के बजाय स्वयं को खोजने का निर्णय लेती है। बचपन में शिक्षा से वंचित रही महरून धीरे-धीरे पढ़ना-लिखना सीखती है और अपनी पीड़ा, स्मृतियों और अनुभवों को कागज़ पर उतारना शुरू करती है। उसकी कलम में साहित्यिक आडंबर नहीं, बल्कि जीवन की सच्चाई होती है। वही सच्चाई उसके शब्दों को असाधारण बना देती है। कुछ समय बाद उसकी बेटी सलमा माँ की डायरी पढ़ती है और समझती है कि यह केवल निजी अनुभव नहीं, बल्कि उन अनगिनत स्त्रियों की कहानी है, जिनकी आवाज़ कभी सुनी ही नहीं गई। वह उस लेखन को 'दिल का दीया' नाम से प्रकाशित करवाती है। यह पुस्तक महरून की ही नहीं, हर उस स्त्री की आवाज बन जाती है, जिसने वर्षों तक चुप रहकर सब कुछ सहा है।

धीरे-धीरे यह कहानी अनेक महिलाओं को अपनी बात लिखने और कहने का साहस देती है। एक गोष्ठी में जब सलमा अपनी माँ की कहानी पढ़ती है, तो सभा में बैठी कई महिलाएँ भावुक होकर कह उठती हैं - "यह तो मेरी कहानी है।" कोई कहती है, "मैं भी महरून हूँ।" यही वह क्षण है जब एक स्त्री की निजी पीड़ा सामूहिक अनुभव में बदल जाती है। 'दिल का दीया' हमें याद दिलाती है कि स्त्री केवल परिवार की जिम्मेदारियाँ निभाने वाली नहीं, बल्कि संवेदनाओं, सपनों और आत्मसम्मान से भरा एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। उसकी ख़ामोशी को कमजोरी नहीं समझना चाहिए, क्योंकि जब वही मौन शब्दों का रूप लेता है, तो वह केवल एक कहानी नहीं लिखता-वह बदलाव की शुरुआत करता है। बानू मुश्ताक की यह कहानी पाठकों को संवेदनशील बनाती है और यह विश्वास दिलाती है कि हर दबी हुई आवाज के भीतर एक ऐसा दीया जलता है, जो एक दिन स्वयं भी रोशनी बनता है और दूसरों का मार्ग भी प्रकाशित करता है।

पूजा सहगल
चंडीगढ़ विश्वविद्यालय

शहरी जिला कांग्रेस कमेटी ने मंत्री चीमा के खिलाफ सौंपा मांगपत्र

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा की तरफ से गुलजार सिंह को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप के तहत जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी), लुधियाना की ओर से संजय तलवाड़ (पूर्व विधायक), अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) के नेतृत्व में सुरेंद्र डाबर, कुलदीप सिंह वैद, सिमरजीत सिंह बैंस, बलविंदर सिंह बैंस, विपिन अरोड़ा, सरबजीत सिंह सरहाली, संजीव कुमार शर्मा, हरमिंदर सिंह (मोनू खिंडा), गुरप्रीत सिंह (गोपि), ललित मेहरा (लक्की), तलविंदर सिंह (टोनी), बलजीत सिंह (मान), दविंदर सिंह बांसल, लखबीर सिंह टोना सहित पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने वित्त मंत्री की बर्खास्तगी एवं गिरफ्तारी की मांग को लेकर मांग-पत्र सौंपा।यह मांग-पत्र रूपिंदर सिंह, सहायक पुलिस कमिश्नर, लुधियाना के माध्यम से पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के नाम सौंपा गया।

इसमें दलित गुलजार सिंह को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में वित्त मंत्री हरपाल चीमा के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की गई।मांग-पत्र में दिड़बा के निवासी दलित गुलजार सिंह की तरफ से की गई आत्महत्या का हवाला दिया गया, जिसने चीमा और उनके समर्थकों द्वारा धमकाने के बाद यह कदम उठाया था।

138 वोट लेकर अजय कुमार बने फिल्लौर बार काउंसिल के अध्यक्ष

शुभम शर्मा | फिल्लौर
समर न्यूज

स्थानीय बार काउंसिल के चुनाव के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए गए। कुल 245 वोट डाले गए। अध्यक्ष पद के लिए हुए कड़े मुकाबले में अजय कुमार ने 138 वोट हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी दिनेश कमल को 105 वोट मिले।

इस तरह अजय कुमार ने 33 वोटों के अंतर से अध्यक्ष पद अपने नाम किया। चुनाव परिणाम सामने आते ही विजयी उम्मीदवारों के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। अलग-अलग पदों के लिए हुए मुकाबलों में कई उम्मीदवारों ने स्पष्ट अंतर से जीत दर्ज की, जबकि अध्यक्ष पद का मुकाबला बेहद कांटे का रहा। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट पद के लिए श्री सुरजीत राम खैतान ने 142 वोट हासिल किए। उन्होंने श्री चेतन अग्रवाल को 45 वोटों के अंतर से पराजित किया, जिन्हें 97 वोट मिले। वाइस प्रेसिडेंट पद पर सुश्री रितु सैनी ने 123 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। उन्होंने सुश्री परमजीत को 116 वोट मिले और मुकाबला 7 वोटों से अपने नाम किया।

सचिव पद पर अकाशदीप अग्निहोत्री ने 148 वोट प्राप्त कर शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने श्री जसविंदर सिंह को 50 वोटों के अंतर से हराया, जिन्हें 98 वोट मिले। ज्वाइंट सेक्रेटरी पद पर श्री बलदीप कुमार ने 167 वोट हासिल किए और श्री बलदेव राज को 93 वोटों के बड़े अंतर से पराजित किया।

जिला आयुष विभाग ने लगाया मेडिकल कैंप

जगदीश लाल | नवांशहर
समर न्यूज

जिला होम्योपैथी अधिकारी डॉ. राजीव जिंदिया की अगुवाई में गांव कमाम के वेल बस स्टैंड पर विशाल मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का की उद्घाटन जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. सरबजीत कौर द्वारा जेता किया गया। कैंप में आयुर्वेदिक विभाग के डॉ. रजनीश कुमार और डॉ. ज्योति कठोर ने मरीजों का चेकअप कर उन्हें आयुर्वेदिक दवाइयां दीं। वहीं होम्योपैथी विभाग और द्वारा डॉ. हरदीप सिंह और डॉ. अमरिंदर सिंह ने मरीजों की जांच कर होम्योपैथिक दवाइयां प्रदान की।

फार्मासिस्ट हरजिंदर सिंह और इंद्रजीत कौर ने मरीजों को दवाइयां बांटी। कैंप में कुल 997 मरीजों की जांच की गई, जिनमें आयुर्वेदिक विभाग द्वारा 632 और होम्योपैथी विभाग द्वारा 365 मरीज शामिल रहे।

पंजाब ग्रामीण बैंक ने अपना 22वां फाउंडेशन डे मनाया

जगदीश लाल | नवांशहर
समर न्यूज

पंजाब ग्रामीण बैंक ने अपनी नवांशहर ब्रांच में अपना 22वां फाउंडेशन डे धूमधाम से मनाया। इस मौके पर, ब्रांच मैनेजर शोभित शर्मा और ब्रांच टीम ने कस्टमर्स से बातचीत की और उन्हें बैंक की अलग-अलग स्कीम्स, फाइनेंशियल प्लानिंग और अपने फाइनेंशियल गोल्स को पाने की इंपॉर्टेंस के बारे में अवेयर किया।

यह प्रोग्राम रीजनल मैनेजर श्री अश्वनी दत्ता और लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्री राजेश मोहन भगत की लीडरशिप में ऑर्गनाइज़ किया गया था। ब्रांच ने अपने कस्टमर्स हरमेश लाल, राज कुमार शर्मा, जगतार सिंह, मंगल सिंह और राकेश शर्मा ब्रांच टीम ने रीजन में कस्टमर-सेंट्रिक बैंकिंग सर्विसेज़ देने और फाइनेंशियल इनक्लूजन को बढ़ावा देने का अपना कमिटमेंट दोहराया।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक मोनू के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट और अन्य धाराओं के तहत चार मामले दर्ज हैं, जबकि सचिन शुक्ला के खिलाफ 19 अप्रैल 2026 को एनडीपीएस एक्ट के तहत एक मामला दर्ज हुआ था।

बदलते मूल्य, बदलती पीढ़ीः जेन-जी को समझने की कोशिश

अक्सर वरिष्ठों से यह सुनने को मिलता है कि आज की युवा पीढ़ी में पहले जैसे संस्कार और मूल्य नहीं रहे। विशेषकर 1997 के बाद जन्मी पीढ़ी, जिसे जेन-जी कहा जाता है, को लेकर यह धारणा और मजबूत है। लेकिन इसे मूल्यों का ह्रास कहना उचित नहीं होगा; यह अधिक सही है कि यह मूल्य-व्यवस्था में बदलाव (शिफ्ट इन वैल्यूज) है।

इस बदलाव का सबसे बड़ा कारण तकनीक का व्यापक प्रभाव है। जेन-जी वह पहली पीढ़ी है जिसने तकनीक को बाहरी साधन नहीं, बल्कि जीवन का स्वाभाविक हिस्सा माना है।

हमारी पीढ़ी के बचपन में सीमित मोबाइल और धीरे-धीरे आते कंप्यूटर थे, जबकि जेन-जी ने स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया के बीच आंखें खोलीं। कई बच्चों के लिए मोबाइल एक तरह का डिजिटल बेबीसिटर बन गया।

इसका असर केवल बच्चों पर नहीं, बल्कि पूरे परिवार पर पड़ा। माता-पिता करियर और जिम्मेदारियों में व्यस्त रहे, वहीं दादा-दादी भी तकनीक से जुड़ गए। परिणामस्वरूप पीढ़ियों के बीच वह संवाद कम हो गया जिसमें मूल्य स्वाभाविक रूप से स्थानांतरित होते थे।

पहले बच्चे परिवार के व्यवहार से सीखते थे-बड़ों का सम्मान, मेहमाननवाजी और सामाजिक संवेदनशीलता। आज यह सीख केवल घर तक सीमित नहीं रही; इंटरनेट, सोशल मीडिया, फिल्मों और डिजिटल दुनिया से भी प्रभावित होती है। इसलिए जेन-

जी को यह कहकर खारिज करना कि उनमें संस्कार नहीं हैं, सही नहीं है। हमें यह समझना चाहिए कि उनके मूल्य किस वातावरण में विकसित हो रहे हैं।

आज की पीढ़ी व्यक्तिगत स्वतंत्रता, मानसिक स्वास्थ्य, समानता और वर्क लाइफ बैलेंस को अधिक महत्व देती है और परंपराओं पर सवाल भी उठाती है। यह सवाल करना हमेशा असम्मान नहीं होता, बल्कि सोच का विस्तार भी हो सकता है। अंतर केवल संवाद के तरीके का है।

हर पीढ़ी अपने समय की परिस्थितियों का परिणाम होती है। पुरानी पीढ़ी ने सीमित संसाधनों में धैर्य और सामूहिकता सीखी, जबकि जेन जी तेज तकनीकी बदलाव और वैश्विक संपर्क के बीच विकसित हुई। दोनों की चुनौतियां अलग हैं।

जेन जी में कई सकारात्मक मूल्य भी मजबूत हैं-जैसे लैंगिक समानता, पर्यावरण जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय के प्रति संवेदनशीलता। साथ ही, स्क्रीन पर अधिक समय, तुलना की प्रवृत्ति और त्वरित परिणाम की अपेक्षा जैसी चुनौतियां भी हैं। समाधान आरोप नहीं, संवाद है। मूल्य उपदेश से नहीं, उदाहरण से सीखते हैं। यदि हम सम्मान चाहते हैं, तो उसे व्यवहार में दिखाना होगा।

अंततः, मूल्य समाप्त नहीं होते, वे समय के साथ रूप बदलते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम मानवता, ईमानदारी और करुणा जैसे मूल्यों को बनाए रखें और साथ ही स्वतंत्रता व समानता जैसे नए मूल्यों को भी स्वीकार करें। सवाल यह नहीं कि आज की पीढ़ी में मूल्य हैं या नहीं, बल्कि यह है कि हम उन्हें कौन से मूल्य देकर जा रहे हैं - क्योंकि वे वही सीखेंगे जो वे हमें करते हुए देखेंगे।

सुश्री सविता शर्मा
सहायक प्राध्यापक
चंडीगढ़ विश्वविद्यालय

जेल से छूटे कथित तस्कर को अवैध हथियार समेत दबोचा

शुभम शर्मा | फिल्लौर
समर न्यूज

गोराया पुलिस ने नशा तस्करी के मामले में जेल से छूटकर आए एक व्यक्ति को कथित तौर पर अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देसी कट्टा, दो मैगजीन, चार कारतूस व 7.62 एमएम के अन्य सामान की बरामदगी का दावा किया है।

थाना गोराया के प्रभारी परमिंदर सिंह थिंद ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जगतार सिंह उर्फ जा पुत्र तरसेम सिंह निवासी गांव फलपोटा के पास अवैध असला है। सूचना के आधार पर एएसआई सुरिंदर पाल ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए कथित आरोपी को काबू कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति गांव में स्थित धन-धन बाबा सखता जी के धार्मिक स्थान पर ग्रंथी के तौर पर सेवा भी करता है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देसी कट्टा, दो मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना गोराया में मुकदमा नंबर 202, धारा 25/27-54-59 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कथित तौर पर बरामद हथियार उसके पास कहां से आए और इनका इस्तेमाल किस उद्देश्य के लिए किया जाना था। आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और हथियार से जुड़े अन्य संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है।

कार की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत

शुभम शर्मा | फिल्लौर
समर न्यूज

फिल्लौर-गुराया हाईवे पर गांव बच्छोवाल के सामने शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हाईवे पर खड़े एक टिप्पर में पीछे से एक कार जा टकराई। हादसे में कार सवार करीब 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि कार चालक भी घायल हो गया।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची सड़क सुरक्षा फोर्स की टीम ने दोनों घायलों को प्राथमिक सहायता देने के बाद उपचार के लिए सिविल अस्पताल फिल्लौर पहुंचाया।

इस संबंध में सड़क सुरक्षा फोर्स के इंचार्ज एएसआई जसविंदर सिंह ने बताया कि गांव बच्छोवाल के सामने हाईवे पर एक टिप्पर खड़ा था। टिप्पर चालक उसमें पानी डाल रहा था। इसी दौरान जालंधर की ओर से आ रही कार अनियंत्रित होकर टिप्पर के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार बुजुर्ग महिला और चालक दोनों घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा फोर्स की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद सिविल अस्पताल फिल्लौर पहुंचाया।

अस्पताल में उपचार के दौरान करीब 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। थाना फिल्लौर के एसआई धर्मिंदर ने बताया कि मृतका की उम्र करीब 70 वर्ष होने का अनुमान है। पुलिस द्वारा कार चालक से हादसे संबंधी जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

चालक नशे की हालत में प्रतीत हो रहा था, जिसके चलते उसका मेडिकल परीक्षण करवाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट तथा अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

नशे के खिलाफ जंग को गांव-वार्ड स्तर तक पहुंचाने की तैयारी तेज

शुभम शर्मा | फिल्लौर
समर न्यूज

पंजाब में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पंजाब पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में पंजाब पुलिस अकादमी फिल्लौर में कैबिनेट मंत्री पंजाब अमन अरोड़ा की अध्यक्षता में एक विशेष एक्शन टेकिंग रिव्यू मीटिंग आयोजित की गई।

बैठक में गांवों और वार्डों तक पहुंच बनाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य 'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान को केवल सरकारी स्तर तक सीमित रखने के बजाय इसे गांव और वार्ड स्तर तक जन-अभियान का रूप देना रहा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जागरूकता कार्यक्रमों को स्थानीय जरूरतों के अनुसार योजनाबद्ध तरीके से आयोजित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को नशे के खिलाफ मुहिम से जोड़ा जा सके।

बैठक में गांव/वार्ड स्तर पर जागरूकता बैठकें आयोजित करने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से संबंधित अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जागरूकता बैठकों के आयोजन, लोगों के साथ संवाद तथा अभियान के संदेश को प्रभावी तरीके से पहुंचाने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी जाएगी।

नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष चेकिंग

शुभम शर्मा | फिल्लौर
समर न्यूज

नशों की अवैध सप्लाई और बिक्री पर रोक लगाने के लिए स. हरविंदर सिंह विरक, एसएसपी जालंधर ग्रामीण के दिशा-निर्देशों के अनुसार जालंधर ग्रामीण पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष ऑपरेशन चलाए गए। इन अभियानों के दौरान पुलिस टीमों द्वारा नशों से संबंधित गतिविधियों के लिए चिन्हित संदिग्ध स्थानों की गहनता से जांच की गई।

संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन, वाहनों की चेकिंग तथा संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी को भी सुनिश्चित किया गया। यह अभियान संबंधित सब-डिवीजनों के डीएसपी की निगरानी में चलाए गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा स्वयं मौके पर पहुंचकर चेकिंग अभियान का जायजा लिया गया तथा पुलिस टीमों को अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस दौरान चिह्नित नशा हॉटस्पॉट्स के अलावा खाली मकानों, सुनसान स्थानों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशनों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों को विशेष रूप से कवर किया गया।

इन स्थानों की गहन तलाशी और चेकिंग की गई। इस विशेष अभियान के दौरान जालंधर ग्रामीण के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 4 एफआईआर दर्ज की गईं और इन मामलों में 4 आरोपियों को उसी दिन गिरफ्तार किया गया। नशे का सेवन करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें पुनर्वास के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

23 करोड़ का बाईपास अफसरों की सुस्ती और ठेकेदार की धीमी रफ्तार में अटका

मिसिंग लिंक-3 खुद हो गया 'मिसिंग', 8 माह में 1.5 किमी में से सिर्फ 500 मी. ही बनी सड़क

लक्की मेहता/राहुल शर्मा
लुधियाना | समर न्यूज

गिल रोड, लोहारा रोड और दिल्ली रोड के रोजाना लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए शुरू किया गया मिसिंग लिंक-3 प्रोजेक्ट अब खुद ही 'मिसिंग' होता नजर आ रहा है। करीब 23 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे 1.5 किलोमीटर लंबे बाईपास में आठ महीने बाद भी सिर्फ 500 मीटर सड़क तैयार हो पाई है।

इतना ही नहीं, अब इस हिस्से पर भी निर्माण कार्य बंद पड़ा है। लोहारा के पास निर्माण स्थल पर मशीनें खड़ी हैं और मजदूर नजर नहीं आ रहे। गिल गांव की तरफ सड़क का काम अभी शुरू नहीं हुआ है। यहां बरसात का पानी जमा है और रास्ते में आने वाले मकान भी अभी हटाए नहीं गए हैं। लोहारा की तरफ करीब 500 मीटर तक बनी सड़क के बाद फिर काम अधूरा पड़ा है।

▪ **15 हजार वाहनों को मिलनी है राहत, 5 किमी का चक्कर बचेगा:** *लोहारा पुल से मलेरकोटला रोड को सीधे जोड़ने वाला यह करीब 1.5 किलोमीटर लंबा लिंक रोड तैयार होने के बाद वाहन चालकों को करीब 5 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अभी जाम के कारण डेढ़ किलोमीटर का रास्ता तय करने में 30 मिनट से एक घंटे तक लग जाता है। लिंक रोड बनने के बाद यह सफर करीब 10 मिनट में पूरा होने की उम्मीद है। बाईपास शुरू होने से दिल्ली रोड और गिल रोड से आने वाला ट्रैफिक सीधे मलेरकोटला रोड की तरफ जा सकेगा। इससे गिल नहर और आसपास के प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव कम होने की उम्मीद है। करीब 15 हजार वाहनों को इसका सीधा फायदा मिलने का अनुमान है।*

▪ **दिसंबर तक पूरा करना है काम, मौके पर निर्माण बंद:** *करीब 23 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट को दिसंबर 2026 तक पूरा करने की डेडलाइन तय है। लेकिन आठ महीने में एक किलोमीटर सड़क भी पूरी नहीं हो पाई और अब निर्माण कार्य बंद है। ऐसे में तय समय सीमा के भीतर प्रोजेक्ट पूरा होने पर सवाल खड़े हो गए हैं। काम की धीमी रफ्तार को लेकर ठेकेदार पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। इसके बावजूद निर्माण की गति में अपेक्षित तेजी नहीं आई।*

▪ **ग्लाडा ने लगाया 23 लाख का जुर्माना:** *तय माइलस्टोन के मुताबिक काम पूरा नहीं करने पर ग्लाडा ने ठेकेदार कबीर इंफ्रा पर 23 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कंपनी के मालिक को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। ग्लाडा के एसई नवीन कंबोज ने बताया कि प्रोजेक्ट का काम तय माइलस्टोन के अनुसार पूरा किया जाना था, लेकिन ठेकेदार निर्धारित समय सीमा के मुताबिक काम नहीं कर पाया। इसी वजह से 23 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। ठेकेदार को काम जल्द शुरू कर निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।*

▪ **10 साल से इंतजार, अब फिर बढ़ी चिंता:** *लोहारा से मलेरकोटला रोड को जोड़ने वाला यह प्रोजेक्ट और इससे संबंधित पुल करीब 10 साल से अधर में है। लंबे इंतजार के बाद निर्माण शुरू हुआ तो अब धीमी रफ्तार ने लोगों की चिंता फिर बढ़ा दी है। शहरवासियों को जाम से राहत दिलाने वाला यह बाईपास आखिर कब पूरी तरह तैयार होगा, अब इस पर नजर है।*

समर एक्सप्रेस की खबर का असर

नक्शा मंजूर नहीं, निगम की चेतावनी भी बेअसर; समर एक्सप्रेस की खबरों के बाद कारोबारा में अवैध निर्माण पर चला पीला पंजा

समर एक्सप्रेस में प्रकाशित खबर

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज

कारोबारा में करीब 600 गज जमीन पर बिना मंजूरी के निर्माण होता रहा और जिम्मेदारों की नजर के सामने ढांचा खड़ा होता गया। नामदेव भवन के पास चल रहे इस निर्माण को लेकर नगर निगम ने पहले चेतावनी भी दी थी, लेकिन इसके बावजूद काम नहीं रुका। शुक्रवार को आखिरकार निगम की जोन-ए बिल्डिंग ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और अवैध ढांचे को ध्वस्त कर दिया।

निगम अधिकारियों के अनुसार, निर्माणकर्ता ने भवन निर्माण का नक्शा नगर निगम से मंजूर नहीं करवाया था। इसके बावजूद मौके पर निर्माण कार्य जारी था। निगम की ओर से निर्माण रोकने के लिए चेतावनी दी गई, लेकिन काम चलता रहा। इसके बाद निगम ने सख्ती दिखाई और जेसीबी की मदद से तैयार किए जा रहे ढांचे को गिरा दिया।

सवाल यह...इतने बड़े निर्माण पर पहले क्यों नहीं लगी रोक?

करीब 600 गज में निर्माण का मामला छोटा नहीं था। सवाल यह है कि जब निर्माण बिना मंजूरी के हो रहा था तो इसे शुरुआती स्तर पर ही क्यों नहीं रोका गया? निर्माण धीरे-धीरे आगे बढ़ता रहा और ढांचा तैयार होने की स्थिति तक पहुंच गया। बाद में निगम को कार्रवाई करनी पड़ी। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर पहले भी शिकायतें सामने आती रही थीं। 'समर एक्सप्रेस' ने भी इस अवैध निर्माण को लगातार अपनी खबरों में प्रमुखता से उठाया था।खबरों के जरिए मामला सामने आने के बाद निगम की कार्रवाई पर लोगों की नजर थी।

▪ **शिकायतें भी हुईं, पुलिस केस की बात भी सामने आई:** *इस मामले को लेकर कई शिकायतें होने की जानकारी सामने आई थी। निर्माण से जुड़े कुछ लोगों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज होने की बात भी सामने आई थी। इसके बावजूद मौके पर निर्माण गतिविधियां जारी रहने से सवाल उठते रहे। अब निगम की कार्रवाई के बाद साफ हो गया है कि बिना मंजूरी निर्माण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि बड़ा सवाल यही है कि जब शिकायतें पहले से थीं तो निर्माण को 600 गज तक पहुंचने का मौका कैसे मिला?*

▪ **कमिश्नर के निर्देश पर बिल्डिंग ब्रांच का एक्शन:** *कमिश्नर ओजस्वी अलंकार के निर्देश पर शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई है। जोन-ए की बिल्डिंग ब्रांच द्वारा बिना मंजूरी किए जा रहे निर्माणों की जांच कर कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी भवन का निर्माण शुरू करने से पहले नगर निगम से बिल्डिंग प्लान मंजूर करवाना जरूरी है। नियमों की अनदेखी कर निर्माण करने वालों के खिलाफ नोटिस, चालान और निर्माण ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।*

▪ **चेतावनी को नजरअंदाज करना पड़ा भारी:** *कारोबारा के इस मामले में निगम की चेतावनी के बावजूद निर्माण जारी रखना निर्माणकर्ता को भारी पड़ा। शुक्रवार को निगम टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और तैयार किए जा रहे अवैध ढांचे को गिरा दिया। देखने वाली बात यह होगी कि ऐसे और कितने निर्माण हैं, जहां शिकायतें होने के बावजूद निर्माण चलता रहता है और कार्रवाई तब होती है जब ढांचा खड़ा हो चुका होता है।*

तीन बाइकों पर सवार 9 लुटेरे, तलवारों के बल पर राहगीरों से लूटपाट

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज

न्यू चंदर नगर की नाले वाली रोड पर दो दिन पहले देर रात तलवारों से लैस बदमाशों ने दो राहगीरों को घेरकर लूट लिया। वारदात रात करीब एक बजे की बताई जा रही है। दोनों व्यक्ति हाथ में खाने का सामान लेकर सड़क से गुजर रहे थे। इसी दौरान तीन बाइकों पर सवार करीब नौ बदमाश वहां पहुंचे और दोनों को घेर लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाशों के हाथों में तलवारें थीं। एक बदमाश तलवार लेकर उसके पीछे दौड़ा। वहीं दूसरे व्यक्ति को अन्य बदमाशों ने घेर लिया। तलवारों का डर दिखाकर उसकी तलाशी ली गई और जेब से मोबाइल फोन व नकदी छीन ली।

बग्गा ज्वेलर्स में वारदात, करीब नौ लाख रुपये का सोना लेकर फरार

ग्राहक बनकर आया शातिर, दुकानदार को बातों में उलझाकर छह सोने की चेनें ले उड़ा

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज

शहर में ज्वेलरी दुकानों को निशाना बनाने वाले शातिरों ने बग्गा ज्वेलर्स में ग्राहक बनकर वारदात को अंजाम दिया। एक युवक दुकानदार को गहने दिखाने के बहाने बातचीत में उलझाता रहा और इसी दौरान काउंटर पर रखी छह सोने की चेनें चोरी कर लीं।

चोरी किए गए गहनों की कीमत करीब नौ लाख रुपये बताई जा रही है। वारदात के बाद आरोपी सामान्य ग्राहक की तरह दुकान से बाहर निकल गया। दुकानदार को इसकी भनक तब लगी, जब उसने बाद में गहनों का स्टॉक चेक किया। दुकान के मालिक सुखविंदर सिंह के अनुसार, रोजाना की तरह दुकान पर काम चल रहा था। इसी दौरान एक युवक ग्राहक बनकर दुकान में आया। उसने सोने के गहने देखने की इच्छा जताई और अलग-अलग डिजाइन दिखाने के लिए कहा। दुकानदार उसके लिए गहने निकालकर दिखाने में व्यस्त हो गया। इसी बीच युवक ने मौका पाकर काउंटर पर रखी छह सोने की चेनें लिफाफे समेत अपने कब्जे में कर लीं और वहां से निकल गया। कुछ देर बाद जब दुकान संचालक ने काउंटर पर रखे गहनों और बॉक्स का मिलान किया तो छह चेनें गायब मिलीं। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में युवक की गतिविधियां दिखाई दीं, जिससे चोरी का पता चला। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में ली। पुलिस आसपास के प्रतिष्ठानों और सड़क पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाल रही है, ताकि आरोपित की पहचान कर उसे पकड़ा जा सके। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गायों को पिकअप में ले जा रहे थे जम्मू-कश्मीर, पुलिस के आने से पहले दो फरार

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज

गोवंश तस्करी का मामला सामने आने के बाद साहनेवाल थाना पुलिस ने एक महिंद्रा पिकअप को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पिकअप में चार गायें लदी हुई मिलीं। आरोप है कि गायों को काटने के उद्देश्य से जम्मू-कश्मीर ले जाया जा रहा था। दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं। संयुक्त गौ रक्षा दल के राष्ट्रीय प्रधान गुरप्रीत सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 10 सितंबर को वह अपने साथी मानिक गोयल के साथ निजी काम से लाडोवाल की तरफ जा रहे थे। सूचना मिलने के बाद गुरप्रीत सिंह और मानिक गोयल दक्षिणी बाईपास पर पहुंच गए और उक्त वाहन का इंतजार करने लगे। कुछ देर बाद वेरका प्लांट की तरफ से उन्हें बताए गए नंबर की पिकअप आती दिखाई दी। रोकने का इशारा करने पर वाहन चालक ने रफ्तार बढ़ा दी। आरोपी गाड़ी छोड़ भाग गए।

खुले रैक में धूल खा रहा रिकॉर्ड, 1.76 करोड़ से होगा 'लॉक' 56 स्टोरेज कॉम्पैक्टर लगेंगे

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज

नगर निगम के दफ्तरों में खुले रैक पर रखे रिकॉर्ड को अब सुरक्षित करने की तैयारी है। धूल और नमी से रिकॉर्ड खराब होने की शिकायतों के बाद निगम शहर के अलग-अलग कार्यालयों में 56 स्टोरेज कॉम्पैक्टर लगवा रहा है।

इस पूरे काम पर करीब 1.76 करोड़ रुपए खर्च होंगे। शुक्रवार को मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर ने सराभा नगर स्थित जोन-डी कार्यालय पहुंचकर लगाए जा रहे स्टोरेज कॉम्पैक्टर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने और कॉम्पैक्टर से होने वाली जगह की बचत के बारे में जानकारी दी। निगम अधिकारियों के मुताबिक अभी कई कार्यालयों में रिकॉर्ड खुले रैक में रखा जाता है। इससे धूल और नमी के कारण रिकॉर्ड खराब होने का खतरा बना रहता है।

कॉम्पैक्टर लगने के बाद रिकॉर्ड बंद और व्यवस्थित तरीके से रखा जा सकेगा। इससे कम जगह में ज्यादा रिकॉर्ड रखने के साथ उसकी सुरक्षा भी बेहतर होगी। मेयर इंद्रजीत कौर ने कहा कि खुले रैक में रखे रिकॉर्ड के खराब होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। कॉम्पैक्टर से रिकॉर्ड को धूल आदि से बचाने में मदद मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रक ने स्कूटर सवार बुजुर्ग को कुचला, मौत

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुए दर्दनाक हादसे में स्कूटर सवार बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बुजुर्ग सड़क पर गिर गए और ट्रक का अगला टायर उनके ऊपर से गुजर गया। आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर ट्रक को कब्जे में ले लिया है। शिकायत में मृतक के बेटे अमरिंदर सिंह ने बताया कि 10 सितंबर को उसके पिता जगतार सिंह ग्रे रंग के बजाज चेतक स्कूटर पर सवार होकर किसी काम से जा रहे थे।

जब वह अपने गांव से करीब एक किलोमीटर आगे मेन रोड पर पहुंचे तो सामने से आ रहे हरियाणा नंबर के ट्रक के चालक पाल सिंह ने वाहन को तेज रफ्तार, गफलत और लापरवाही से चलाते हुए उनके पिता के स्कूटर में टक्कर मार दी। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

शौर्य को सलाम! भारत नगर चौक में फिर स्थापित हुई मेजर भूपिंदर सिंह की प्रतिमा

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज

भारत नगर चौक में महावीर चक्र विजेता मेजर भूपिंदर सिंह की प्रतिमा और पैटन टैंक का शुक्रवार को विधिवत अनावरण किया गया। नगर निगम की ओर से आयोजित समारोह में मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर, एसडीएम जसलीन भुल्लर और नगर निगम के असिस्टेंट कमिश्नर जसदेव सिंह सेखों समेत अन्य अधिकारियों ने प्रतिमा का अनावरण किया।

समारोह में महावीर चक्र विजेता मेजर भूपिंदर सिंह के भतीजे गुरपाल सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने भारत नगर चौक में प्रतिमा की दोबारा स्थापना किए जाने पर खुशी जताई और इसे शहीद की वीरता व बलिदान को सम्मान देने वाला कदम बताया। मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर ने कहा कि मेजर भूपिंदर सिंह की प्रतिमा का अनावरण उनके अदम्य साहस, देशसेवा और सर्वोच्च बलिदान को नमन है।

वारदात की आशंका से पहले पुलिस ने कसा शिकंजा, पिस्तौल-कारतूस समेत युवक काबू

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज

थाना सदर पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मनीष पुत्र हीरो भगत निवासी गुरु अर्जन देव नगर, ताजपुर रोड, लुधियाना के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 32 बोर का पिस्तौल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इस संबंध में पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, 10 सितंबर को एसआई हरविंदर सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त पर थे। पुलिस टीम गीता माता मंदिर, सुआ रोड के पास मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर खास ने सूचना दी कि मनीष नाम का युवक अपने पास अवैध 32 बोर का पिस्तौल रखता है।

सूचना में बताया गया कि आरोपित सुआ रोड स्थित विक्टोरिया गेस्ट हाउस के सामने बने एक खाली प्लाट में बैठा है और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। आरोपी मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उसे काबू कर लिया।

डेंगू के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने 267 इलाकों में 10,846 घरों की जांच

विभाग ने पानी जमा करने वाले 25,258 कंटेनर खंगाले

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

डेंगू की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को जिले भर में विशेष अभियान चलाया। 'हर शुक्रवार डेंगू पे वार' अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 267 इलाको का दौरा कर 10,846 घरों की जांच की।

इस दौरान घरों और आसपास जमा पानी वाले 25,258 कंटेनरों को भी खंगाला गया। जांच में 45 घर और 49 कंटेनर मच्छरों के प्रजनन के लिहाज से पाजिटिव पाए गए। टीमों ने मौके पर ही मच्छरों के लार्वा को नष्ट कर प्रजनन स्रोतों को खत्म किया। स्वास्थ्य विभाग की टीमें अभियान के दौरान घर-घर पहुंचीं और लोगों को डेंगू से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया। टीमों ने कूलरों, गमलों, पानी की टंकियों, छतों, पुराने टायरों और अन्य स्थानों पर जमा पानी की जांच की। जहां भी मच्छरों के प्रजनन की संभावना मिली, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई।

▪ **हर शुक्रवार घर और आसपास करें जांच:** *सिविल सर्जन डॉ. रमणदीप कौर ने कहा कि डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से सर्वेक्षण, निगरानी और जागरूकता गतिविधियों को तेज किया गया है। 'हर शुक्रवार डेंगू पे वार' केवल विभागीय अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार की जिम्मेदारी से जुड़ा अभियान है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे हर शुक्रवार कुछ मिनट अपने घर और आसपास की जांच के लिए जरूर निकालें। उन्होंने कहा कि घरों में कूलर, गमले, पानी के कंटेनर, छतों पर पड़े सामान और पुराने टायरों में पानी जमा न होने दें। थोड़ी सी लापरवाही भी मच्छरों के प्रजनन का कारण बन सकती है। डॉ. रमणदीप कौर ने कहा कि डेंगू की रोकथाम केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है।*

मां बगलामुखी का जाप करने से मन पवित्र व वाणी मधुर होती है: महंत प्रवीण चौधरी

नीलकमल मोनू | लुधियाना
समर न्यूज

मां बगलामुखी धाम, सिंहला एन्क्लेव में महंत प्रवीण चौधरी जी के सानिध्य में सुख-समृद्धि यज्ञ का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हवन यज्ञ में आहुतियां डालकर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

यज्ञ से पूर्व संकीर्तन मंडल द्वारा मां बगलामुखी की स्तुति में भजन प्रस्तुत किए गए, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मां बगलामुखी चालीसा का पाठ किया। श्रद्धालुओं ने भजनों एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आनंद लेते हुए मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महंत प्रवीण चौधरी जी ने श्रद्धालुओं को मां बगलामुखी की कृपा प्राप्त करने का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि जरूरतमंद, दीन-दुखियों और बेसहारा लोगों की निःस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए। सेवा और परोपकार से जीवन में पुण्य की प्राप्ति होती है।

उन्होंने कहा कि संकीर्तन और सिमरन मानव जीवन का आधार हैं। मां बगलामुखी का जाप करने से मन पवित्र होता है और वाणी में मधुरता आती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रत्येक श्वास के साथ प्रभु नाम का सिमरन करने का आह्वान किया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विधायक जीवन संगोवाल ने सौंपे नियुक्ति पत्र

नीलकमल मोनू | लुधियाना
समर न्यूज

हलका गिल के गांव संगोवाल में आंगनवाड़ी वर्करों को नियुक्ति पत्र सौंपने संबंधी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम विधायक जीवन सिंह संगोवाल की अगुवाई में हुआ, जिसमें नवनियुक्त आंगनबाड़ी वर्करों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विधायक जीवन सिंह संगोवाल ने कहा कि आंगनबाड़ी वर्कर समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और महिलाओं एवं बच्चों से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में अहम योगदान देती हैं। उन्होंने कहा कि नई नियुक्तियों से विभाग के कामकाज को और मजबूती मिलेगी तथा जरूरतमंद परिवारों को सरकारी सुविधाओं का लाभ बेहतर ढंग से मिल सकेगा।

विधायक जीवन सिंह संगोवाल ने नवनियुक्त आंगनबाड़ी वर्करों को बधाई देते हुए उन्हें पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

फैक्ट्री में 1.98 लाख समेत मोबाइल व चांदी की गणेश प्रतिमा ले गए चोर

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

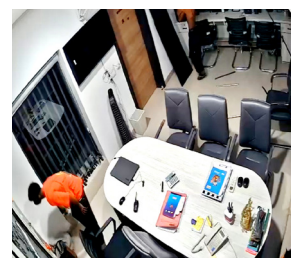

गिल चौक के पास मुरादपुरा इलाके में स्थित ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल नट एंड बोल्ट फैक्ट्री में देर रात तीन-चार चोरों ने धावा बोल दिया। आरोपी रात करीब 12:30 बजे के बाद फैक्ट्री में दाखिल हुए और ऑफिस का गेट तोड़कर अंदर घुस गए।

चोर करीब आधे घंटे तक ऑफिस में तलाशी लेते रहे और वहां से 1.98 लाख रुपये की नकदी, चांदी की गणेश प्रतिमा, दो मोबाइल फोन और जरूरी दस्तावेज चोरी कर फरार हो गए। फैक्ट्री मालिक दीपक भल्ला ने बताया कि सुबह सफाई करने वाली कर्मचारी ने फोन कर ऑफिस का गेट टूटे होने की जानकारी दी। मौके पर पहुंचने पर ऑफिस में सामान बिखरा पड़ा था और दराज खुली हुई थीं। जांच करने पर नकदी, चांदी की गणेश प्रतिमा और दो मोबाइल फोन गायब मिले। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी फैक्ट्री में दाखिल होने से पहले आसपास की गलियों में घूमते हुए नजर आ रहे हैं।

इसके बाद उन्होंने मौका देखकर फैक्ट्री को निशाना बनाया और ऑफिस का गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया। दीपक भल्ला ने बताया कि दोनों मोबाइल फोन चोरी होने से फैक्ट्री का कामकाज भी प्रभावित हुआ है।

अपहरण कर घर में बंधक बनाया पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज

थाना सदर के अधीन गांव दाद में 20 वर्षीय युवक के अपहरण और फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने युवक को जबरन अगवा करने के बाद एक घर में ले जाकर अलमारी में बंद कर दिया।

इस दौरान उसके साथ मारपीट की गई और परिवार से उसकी रिहाई के बदले पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। रकम न देने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। गांव दाद निवासी रमण के अनुसार, वह कुछ दिन पहले घर से टहलने के लिए निकला था। इसी दौरान सन्नी, गुन्नी, दाना, एरियन और गुग्गी समेत 3-4 अज्ञात युवकों ने कथित तौर पर उसे जबरन अपने साथ ले लिया। आरोपी उसे एक घर में ले गए, जहां उसे अलमारी में बंद कर दिया गया। शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और परिवार से पांच लाख रुपये की मांग की। मौका मिलने पर वह बचकर वहां से निकलने में कामयाब रहा।

ग्रुप एडिटर: अर्शदीप सिंह। एग्जीक्यूटिव एडिटर : नितिन उपमन्यु । मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। *समाचार चयन के लिए PRP एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र लुधियाना होगा। RNI No. CHMUL/25/A1155